RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 192 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बुधवार, 02 जुलाई, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

पांच देशों की यात्रा पर पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया सहित पांच देशों की यात्रा पर रवाना हो गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ब्राजील में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को पांच देशों की यात्रा पर रवाना हुए हैं। वह दो से नौ जुलाई तक घाना, त्रिनिदाद-टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान छह और सात जुलाई को ब्राजील में 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

● ब्राजील में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे

इससे वैश्विक दक्षिण के देशों से भारत के संबंधों को नया आयाम मिलने की उम्मीद है।

पीएम मोदी 3-4 जुलाई को त्रिनिदाद और टोबैगो जाएंगे। उन्होंने कहा कि वह भारत के साथ गहरी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और लोगों से लोगों के बीच जुड़ाव साझा करता है। उन्होंने कहा, 'मैं राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू से मिलूंगा, जो इस साल के प्रवासी भारतीय दिवस की मुख्य अतिथि थीं और दूसरी बार कार्यभार संभालने वालीं प्रधानमंत्री कमला परसाद-बिसेसर से मुलाकात करूंगा।'

प्रवासी समुदाय के लंबे समय से चले आ रहे रिश्तों को याद करते हुए पीएम मोदी ने कहा, '180 साल पहले भारतीय पहली बार त्रिनिदाद और टोबैगो पहुंचे थे। यह दौरा हमारे पुश्तैनी और रिश्तेदारी के विशेष बंधनों को नया जीवन देने का अवसर देगा।'

कोरोना वैक्सीन से हार्ट अटैक नहीं!

ICMR-AIIMS के शोध में दावा, रिपोर्ट आई सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोविड के बाद देश में वयस्कों में अचानक होने वाली मौतों पर आईसीएमआर (भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद) और एम्स द्वारा किए गए व्यापक अध्ययनों की रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट में निर्णायक रूप से स्थापित किया है कि कोविड-19 टीकों और अचानक होने वाली मौतों के बीच कोई संबंध नहीं है।

आईसीएमआर और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) द्वारा किए गए अध्ययनों ने पुष्टि की है कि भारत में कोविड-19 टीके सुरक्षित और प्रभावी हैं, जिनमें गंभीर दुष्प्रभावों के अत्यंत दुर्लभ मामले हैं। अचानक हृदय संबंधी मौतें कई तरह के कारकों के कारण हो सकती हैं, जिनमें आनुवंशिकी, जीवनशैली, पहले से मौजूद बीमारियाँ और कोविड के बाद की जटिलताएँ शामिल हैं। वैज्ञानिक विशेषज्ञों ने दोहराया है कि कोविड टीकाकरण को अचानक होने वाली मौतों से जोड़ने वाले बयान झूठे और भ्रामक हैं और वैज्ञानिक आम सहमति से समर्थित नहीं हैं।

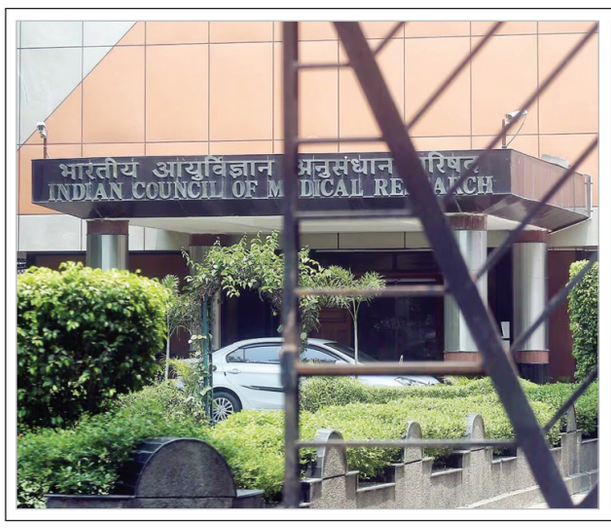

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (ICMR) और एम्स की ओर से की गई स्टडी से पता चला है कि कोविड-19 के बाद वयस्कों की अचानक हो रही मौतों का कोरोना वैक्सीन से कोई लिंक नहीं है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी स्पष्ट किया है कि युवाओं में हो रहे हार्ट अटैक और कोरोना वैक्सीन के बीच कोई लिंक नहीं है. मंत्रालय का कहना है कि आईसीएमआर की ओर से की गई स्टडीज में कोरोना वैक्सीन और हार्ट अटैक के बीच किसी लिंक का पता नहीं चला है।

यह स्टडी देश के 19 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 47 अस्पतालों में मई से अगस्त 2023 के बीच की गई थी। यह स्टडी ऐसे लोगों पर की गई, जो पूरी तरह से स्वस्थ थे लेकिन अक्टूबर 2021 से मार्च 2023 के बीच उनकी अचानक मौत हो गई। स्टडी से पता चला कि कोरोना वैक्सीन की वजह से युवाओं में हार्ट अटैक का जोखिम नहीं बढ़ा है। युवाओं की अचानक हो रही मौतों का इससे कोई कनेक्शन नहीं है।

यह स्टडी ऐसे समय में सामने आई है जब देशभर में युवाओं में हार्ट अटैक से हो रही मौतों के मामले बढ़े है। आईसीएमआर और नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल अचानक हो रही इन मौतों के पीछे का कारण समझने की दिशा में काम कर रही है। इस स्टडी में जीवनशैली और पूर्व की स्थितियों को अचानक हो रही मौतों का प्रमुख कारण माना गया है।

पिकअप चालक की दुर्घटना में मौत

बाइक चालक हादसे में घायल

नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थानों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में एक पिकअप चालक की मौत हो गई। जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। बागपत के मोजीजाबाद नांगल गांव निवासी छोटू खान 28 जून की रात्रि को आगरा से ट्रांसपोर्ट की पिकअप गाड़ी लेकर नोएडा के रास्ते लोनी जा रहा था। नोएडा ग्रेटर नोएडा हाईवे से छपरौली उतरने वाले कट के पास उसकी गाड़ी के आगे जा रहे वाहन ने अचानक ब्रेक लगा दिए।

अचानक ब्रेक लगने से छोटू खान अपनी पिकअप गाड़ी से नियंत्रण खो बैठा। पिकअप गाड़ी आगे जा रहे वाहन से टकरा गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि पिकअप चला रहे छोटू खान ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस संबंध में मृतक के पिता इसराइल ने थाना एक्सप्रेसवे में आरोपी वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। इसी थाना क्षेत्र में दूसरा हादसा भी छपरौली कट के पास ही हुआ। नई दिल्ली निवासी योगेश कुमार 23 जून को बाइक से सेक्टर-168 जा रहा था। छपरौली कट से कुछ मीटर आगे तेज गति में आ रही एक गाड़ी ने उसके बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से योगेश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। योगेश कुमार को अस्पताल पहुंचाने के बजाय वाहन चालक मौके से फरार हो गया। योगेश कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए पुलिस को आरोपी वाहन चालक के वाहन का नंबर भी दिया है। पुलिस का कहना है कि वीडियो द्वारा उपलब्ध कराए गए वाहन नंबरों के आधार पर चालकों की तलाश की जा रही है।

शोक संदेश

स्व. श्री चंपत सिंह करहाना जी
(01.01.1933- 21.06.2025)

बड़े दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे ताऊ जी श्री चंपत सिह करहाना जी (नयाबांस) का स्वर्गवास दिनाँक 21-06-2025 को हो गया था। परमपिता परमेश्वर उनकी आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे, हम प्रभु से ऐसी प्रार्थना करते हैं।

दिनांक - 03-07-2025, बृहस्पतिवार
हवन प्रात: ..... 9:00 बजे
श्रद्धांजलि सभा-प्रात: ..... 11:00 से 12:00 बजे
ब्रह्मभोज प्रात: ..... 12:00 बजे
स्थान: C -156, सेक्टर 100, नोएडा

शोकाकुल-
चौधरी नारायण सिंह(भाई), राजेंद्र सिंह (पुत्र)
देवेंद्र सिंह (पुत्र), ओमवीर सिंह करहाना (पुत्र)
धर्मवीर सिंह करहाना (भतीजा) ,ओमिन्द्र प्रधान (भतीजा)
राजकुमार सिंह (भतीजा) (अध्यक्ष, नोएडा एम्पलाइज एसोसिएशन),मनीष करहाना (भतीजा)
सुंदर करहाना (पौत्र) ,सचिन करहाना (पौत्र)
निखिल करहाना(पौत्र),अखिल करहाना(पौत्र)
दर्शित (पड़ पौत्र) , चेतन (पड़ पौत्र), शिवेन(पड़ पौत्र), शिविक(पड़ पौत्र)
9873607686 , 9999193319
(निवासी : नयाबांस, सेक्टर-15, नोएडा)

अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं होगा: मुख्यमंत्री

जनता दर्शन में अधिकारियों को सख्त निर्देश

गोरखपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात की। ध्यान से सबकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का निराकरण शीघ्रता और पारदर्शिता शीघ्रता से किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य में जमीनों पर अवैध कब्जा बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की (शेष पृष्ठ-3 पर)

तीन वाहन चोर गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना कासना पुलिस ने तीन वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनकी निशानदेही पर साइड-5 से चोरी हुई पिकअप गाड़ी को बरामद किया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर धीरज उर्फ नीरज पंकज व सूरज चौहान को गिरफ्तार किया गया। इनकी निशानदेही पर दो दिन पूर्व साइड-5 से चोरी हुई महिंद्रा पिकप गाडी बरामद हुई है पकड़े गए वाहन चोरों ने कई अन्य चोरी की घटना को भी अंजाम देने स्वीकार किया है।

करंट से किसान की मौत पर विद्युत विभाग के अफसरों के खिलाफ एफआईआर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दनकौर थाना क्षेत्र के दौला रजपुरा गांव के जंगल में करंट लगने से हुई किसान की मौत के मामले में विद्युत विभाग के एसडीओ, जेई सहित अन्य जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। इस हादसे में करंट की चपेट में आई किसान की बेटी का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

ग्राम मायचा की मढैया निवासी सतीश का दनकौर के दौला रजपुरा गांव के जंगल में खेत हैं। सोमवार की दोपहर को वह अपनी (18 वर्षीय) बेटी शिवानी के साथ खेत में काम कर रहा था। इसी खेत के किनारे पर विद्युत विभाग का ट्रांसफार्मर लगा हुआ था। इस ट्रांसफार्मर से जा रहे तार की वजह से खेत में भरे पानी में अचानक करंट उतर गया। करंट की चपेट में आने से सतीश और उसकी बेटी शिवानी झुलसकर बेहोश होकर खेत में गिर गए। रास्ते से गुजर रहे ग्रामीणों ने किसी तरह से तार को पानी से हटकर दोनों को बाहर निकाला। लेकिन तब तक सतीश की मौत हो चुकी थी।

परिजनों ने ग्रामीणों की मदद से शिवानी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। आरोप है कि इस हादसे की जानकारी देने के बाद भी यूपीपीसीएल के कर्मचारी कई घंटे के बाद मौके पर पहुंचे। जिससे ग्रामीणों का गुस्सा भड़क गया और उन्होंने विद्युत विभाग के खिलाफ हंगामा किया। मौके पर पहुंची थाना दनकौर पुलिस ने ग्रामीणों को समझा - बूझकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इस संबंध में मृतक सतीश के भाई कैलाश ने विद्युत विभाग के एसडीओ सहित जिम्मेदार अधिकारियों पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

प्राधिकरण के उद्यान विभाग की कार्यशैली '100 दिन चले अढाई कोस'

एक वर्ष बाद भी सेंचुरी एपार्टमेंट से शिफ्ट नहीं हुए पेड़

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के उद्यान विभाग की कार्यशैली पर '100 दिन चले अढाई कोस' की कहावत चरितार्थ हो रही है। आलम यह है कि सेक्टर-100 सेंचुरी एपार्टमेंट में पार्किंग क्षेत्र में लगे पेड़ को हटाने के आदेश के एक वर्ष बाद भी उद्यान विभाग उन पेड़ों को अभी तक शिफ्ट नहीं कर पाया है।

बता दें कि वर्क सर्किल-3 के वरिष्ठ प्रबंधक ने 31 जुलाई 2024 को उपनिदेशक (उद्यान विभाग खंड-1) को पत्र लिखा था। पत्र में

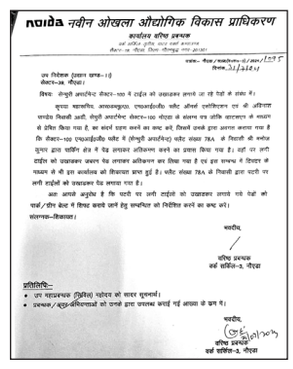
noida नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण
कार्यालय वरिष्ठ प्रबन्धक

कहा गया था कि सेक्टर-100 एमआईजी फ्लैट (सेंचुरी एपार्टमेंट) में टाइल्स उखाड़कर पार्किंग क्षेत्र में पेड़ लगा दिये गए। अत: उन पेड़ों को पार्क अथवा ग्रीन बेल्ट में शिफ्ट कर दिये जाएं। लेकिन आज तकरीबन एक वर्ष होने को है, लेकिन पेड़ अभी तक शिफ्ट नहीं किए गए।

इस बाबत सेंचरी अपार्टमेंट के महासचिव दिलीप मिश्रा ने कहा कि उद्यान विभाग की कार्यशैली इतनी सुस्त है कि एक वर्ष में भी पेड़ अभी तक शिफ्ट नहीं हो पाए। जबकि करीब 1 वर्ष पूर्व अविनाश पांडेय ने (शेष पृष्ठ-3 पर)

'वन महोत्सव की तर्ज पर चले 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान'

जन्मे शिशु के परिजनों को प्रमाण-पत्र के साथ दिये जा रहे है पौधे : डीएम

नोएडा (चेतना मंच)। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को वन महोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। इस दौरान हिंडन तथा यमुना नदी के किनारे पौधारोपण को प्राथमिकता दी जाए। यह निर्देश दिए जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने।

वृक्षारोपण की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक जूम ऐप के माध्यम से संपन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को वन महोत्सव के रूप में जनसहभागिता के साथ भव्य रूप से मनाया जाए।

जिलाधिकारी ने बताया कि 1 जुलाई से 7 जुलाई 2025 तक जनपद के जिला अस्पताल एवं सभी सीएचसी, पीएचसी केंद्रों पर जन्मे शिशुओं के परिजनों को जन्म प्रमाणपत्र के साथ एक पौधा भी भेंट

किया जाएगा, जिससे लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़े और वृक्षारोपण की आदत को जीवन से जोड़ा जा सके।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को पूरी गंभीरता और समर्पण से जनपद में 1 जुलाई से 7 जुलाई तक वन महोत्सव के रूप में मनाया जाए, जिसमें समस्त विभागीय अधिकारी स्वयं पौधारोपण करें और आमजन को भी प्रेरित करें।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि शासन के निर्देशों के अनुपालन में जनपद के जिला अस्पताल एवं सभी सीएचसी, पीएचसी केंद्रों पर नवजात शिशुओं के परिजनों को पौधा भेंट करने की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। तहसील जेवर एवं दादरी में इस कार्यक्रम के अंतर्गत जन्म प्रमाणपत्र के साथ पौधों का वितरण किया गया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नरेंद्र कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा, उप जिलाधिकारी सदर चारुल यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

"श्रद्धांजलि"
स्व0 श्री कैलाश चन्द्र शर्मा
(23-06-1937 - 02-07-2002)
संस्थापक,
कैलाश अस्पताल समूह
23 वीं पुण्य-तिथि

जो ज्योति हमारे बीच कभी, सबको सत्पथ दिखलाती थी।
जीवन का ध्येय समर्पण है, यह परिभाषा सिखलाती थी।
वह हम सबको ज्योतिर्मय कर, कर गयी क्षितिज के पार गमन।
कर रहे पुण्य तिथि पर उनको, श्रद्धा स्वरूप हम आज नमन।

आपके आदर्शों की ओर सदैव अग्रसर...

ललिता शर्मा (धर्मपत्नी)
दिनेश, नरेश,
राजेश, उमेश (पुत्र)
मालती, कान्ति (बहिनें) एवम्
कैलाश अस्पताल परिवार

डा. महेश शर्मा
सांसद - लोकसभा गौतमबुद्ध नगर
डा. उमा शर्मा
अध्यक्ष
डा. पल्लवी शर्मा
निदेशक
डा. कार्तिक शर्मा
प्रबंध निदेशक

दूरभाष: 0120-2444444, 2466666
ई-मेल: drmahesh3333@gmail.com

आदमयुगीन व्यवहार

कहना मुश्किल है कि हमारे समाज में ऐसा क्या बदला है कि जिन छोटे-छोटे विवादों को हम आसानी से सुलझा सकते हैं, उनको लेकर जान लेने तक की नौबत आ जाती है। मान्यता रही है कि पढ़ा-लिखा समाज सभ्य-संवेदनशील होकर प्रगतिशील समाज की आधारशिला रखता है। लेकिन यहां तो हम तरक्की के दावों और साक्षरता में अप्रत्याशित वृद्धि के बावजूद आदमयुगीन व्यवहार करने पर उतारू हैं। कार पार्किंग विवाद हो या सड़क पर आगे जाने की होड़ में वाहनों का जरा आपस में छू जाना, अकसर बड़े विवाद व हिंसक संघर्ष का कारण बन जाता है। पिछले दिनों दिल्ली में एक ई-रिक्शा चालक के कार से लग जाने के बाद कार चालक ने रिक्शा वाले को गोली मार दी। अब सवाल यह भी है कि क्यों इस विवाद को आपसी बातचीत से नहीं टाला जा सका? आखिर क्यों कार चालक को हथियार लेकर चलने की जरूरत पड़ी? आखिर लोगों का खून क्यों उबाल ले रहा है? क्या ये हमारे तामसिक व प्रदूषित खान-पान की देन है? क्या हमारे विचार दूषित हुए हैं? क्या हमारे उन संस्कारों का लोप हो चुका है जो हमें सहजता,सहयोग, सरलता, सहनशीलता, सौम्यता और सहभागिता सिखाते थे? अक्सर हम बुजुर्गों के साथ युवाओं द्वारा अभद्र व्यवहार करते हुए देखते हैं। उनकी उम्र व सफेद बालों का भी कोई लिहाज करता नजर नहीं आता है। सवाल उठता है कि क्या हमारी पारिवारिक संरचना व शिक्षण संस्थाओं द्वारा जीवन मूल्य बांटने की कवायद निष्प्रभावी हो गई है? अकसर हम देखते हैं कि सार्वजनिक जीवन में ऐसे मुद्दों को लेकर बड़े विवाद होते हैं, जिन्हें आसानी से सुलझाया जा सकता है। हमारे व्यवहार की ये कृत्रिमता विचलित करने वाली है। कभी कहा जाता था कि गहरी नदी खामोशी से बहती है। लेकिन इसके उलट पढ़े-लिखे लोग अनपढ़ों से बदतर व्यवहार करते नजर आते हैं। वह धारणा निर्मूल साबित हो रही है कि विद्या हमें विनय देती है। क्या हमारा जीवन इतना जटिल हो गया है कि हमें क्षण में आक्रोश से भर देता है? हाल के वर्षों में राह चलते मामूली विवादों पर हत्या कर देने की विचलित करने वाली वारदातें अकसर खबरों में सुर्खियां बनती रहती हैं। जो एक सभ्य व्यक्ति में भय व असुरक्षा भर देती हैं। हर व्यक्ति के दिमाग में अपनी व बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्याप्त हो जाती है। कहीं छोटी-छोटी बात पर रौब दिखाने पर हत्याएं हो जाती हैं तो कहीं वाहनों को खड़े करने के विवाद में खूनी संघर्ष हो रहे हैं। कहीं न कहीं सड़कों पर होने वाली हिंसा के मूल में बेलगाम होता गुस्सा भी है। यह गुस्सा कब कानून की झीनी दीवार लांघ दे, कहना मुश्किल है। कालांतर यही टकराव गंभीर अपराध के रूप में ही सामने आता है। यहां तक कि यह टकराव कई बार दो संप्रदायों के बीच खूनी संघर्ष तक में तब्दील हो जाता है। ऐसे कई समाचार देश के विभिन्न भागों से हमारे सामने आते रहे हैं। हमारे समाज विज्ञानियों और मनोवैज्ञानिकों को हमारे व्यवहार में घर कर रही इस आक्रामकता के कारणों की गंभीर पड़ताल करनी होगी। भविष्य में यह प्रवृत्ति हमारे समाज के लिये घातक साबित हो सकती है। कहीं न कहीं ये मानवीय मूल्यों व संवेदनशीलता का पराभव भी है जो हम किसी को बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हैं। हम विचार करें कि क्या इंटरनेट सामग्री व आक्रामक वीडियो गेम से उपजी आक्रामकता नई पीढ़ी में असर दिखा रही है? फिल्मों और टीवी में दिखाए जाने वाली हिंसा क्या हमारे जीवन व्यवहार में उतर आई है? सूचना माध्यमों ने आम लोगों की संवेदनाओं को आहत करने का जो मुनाफे का जमकर कारोबार किया क्या वो हमें अब संवेदनहीन बना रहा है? देश के राजनीतिक विमर्श में आक्रामकता व संवेदनाओं से खिलवाड़ का जो निर्मम खेल दशकों से खेला जाता रहा है क्या नई पीढ़ी ने उसका अनुकरण शुरू कर दिया? क्या ग्लोबल वार्मिंग व बढ़ते तापमान का असर हमारे आम व्यवहार को आक्रामक बना रहा है? इस दिशा में गंभीर मनोवैज्ञानिक शोध की जरूरत है। हमें सोचना होगा कि सड़कों पर जरा-जरा सी बात पर पनप रहे हिंसक टकराव की विकृति की असल वजह क्या है?

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि मेघनाद से उसने जो कुछ कहा, उसे उसने (मेघनाद ने) मानो पहले से ही कर रखा था (अर्थात रावण के कहने भर की देर थी, उसने आज्ञापालन में तनिक भी देर नहीं की।) जिनको (रावण ने मेघनाद से) पहले ही आज्ञा दे रखी थी, उन्होंने जो करतूतें की उन्हें सुनो॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

देखत भीमरूप सब पापी। निसिचर निकर देव परितापी॥
करहिं उपद्रव असुर निकाया। नाना रूप धरहिं करि माया॥

सब राक्षसों के समूह देखने में बड़े भयानक, पापी और देवताओं को दु:ख देने वाले थे। वे असुरों के समूह उपद्रव करते थे और माया से अनेकों प्रकार के रूप धरते थे॥

जेहि बिधि होइ धर्म निर्मूला। सो सब करहिं बेद प्रतिकूला॥
जेहिं जेहिं देस धेनु द्विज पावहिं। नगर गाउँ पुर आगि लगावहिं॥

जिस प्रकार धर्म की जड़ कटे, वे वही सब वेदविरुद्ध काम करते थे। जिस-जिस स्थान में वे गो और ब्राह्मणों को पाते थे, उसी नगर, गाँव और पुरवे में आग लगा देते थे॥

सुभ आचरन कतहुँ नहिं होई। देव बिप्र गुरु मान न कोई॥
नहिं हरिभगति जग्य तप ग्याना। सपनेहु सुनिअ न बेद पुराना॥

(उनके डर से) कहीं भी शुभ आचरण (ब्राह्मण भोजन, यज्ञ, श्राद्ध आदि) नहीं होते थे। देवता, ब्राह्मण और गुरु को कोई नहीं मानता था। न हरिभक्ति थी, न यज्ञ, तप और ज्ञान था। वेद और पुराण तो स्वप्न में भी सुनने को नहीं मिलते थे॥

(क्रमश:...)

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण से बेचैन हुआ विपक्ष

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्टेन्सिव रिवीजन —एस.आई.आर.) का काम शुरू हो गया है। चुनाव आयोग के मुताबिक उसकी इस पहल का मकसद मतदाता सूची को शुद्ध और वास्तविक बनाना है। हालांकि, विपक्षी दलों ने मतदाता सूची में छेड़छाड़ के व्यापक आरोप लगाए हैं। लगभग सभी ने एसआईआर का विरोध किया है और कहा है कि इससे मताधिकार से वंचित होने का गंभीर खतरा है। बिहार की 243 विधानसभा सीटों पर 7.89 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। राज्य में इसी साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं।

बिहार में इस तरह का आखिरी गहन संशोधन 2003 में किया गया था। चुनाव आयोग ने कहा कि बिहार में 2003 की मतदाता सूची को फिर से वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा, जिसमें 4.96 करोड़ लोगों के नाम हैं। इनमें शामिल लोगों को जन्मतिथि या जन्मस्थान साबित करने के लिए दस्तावेज नहीं देने होंगे। बाकी 3 करोड़ मतदाताओं को प्रमाण के लिए दस्तावेज देने होंगे। वोटिंग लिस्ट में ये संशोधन ऐसे वक्त किए जाने हैं जब बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. ऐसे में विपक्षी पार्टियां इस पर नाराज़गी जता रही हैं। इस मसले पर विपक्ष की ओर से एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई थी, जिसमें बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कई मुद्दे उठाए थे और व्यावहारिक समस्याएं बताई थीं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस कदम को एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर) से भी ज्यादा खतरनाक बताया और आरोप लगाया कि उनका राज्य, जहां अगले साल चुनाव होने हैं, असली लक्ष्य है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 7 जून को महाराष्ट्र की मैच फिक्सिंग के बारे में कई बातें लिखी थीं। उन्होंने लिखा था, क्योंकि महाराष्ट्र की यह मैच फिक्सिंग अब बिहार में भी दोहराई जाएगी और फिर वहां भी, जहां-जहां बीजेपी हार रही होगी।

तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने 28 जून को कहा कि चुनाव आयोग द्वारा घोषित मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण पिछले दरवाजे से एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) लाने का एक भयावह कदम है। इससे पहले ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इसको लेकर सवाल उठाए। उन्होंने 27 जून को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, निर्वाचन आयोग बिहार में गुप्त तरीके से एनआरसी लागू कर रहा है। जबकि सत्तारूढ़ दलों ने इसे पूर्व की चुनावी धांधली पर चुनाव आयोग की सख्ती के साथ पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है।

महागठबंधन के प्रमुख घटक दल राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 2003 में जब मतदाता सूची का पुनरीक्षण हुआ था तो उसमें दो साल लगे थे और तब साढ़े चार करोड़ से कुछ ज्यादा मतदाता थे। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) का मानना है कि विधानसभा चुनाव से एक महीने पहले सघन पुनरीक्षण अभियान संभव नहीं है। राजद नेताओं ने सवाल उठाया कि अगर मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की इतनी आवश्यकता है, तो यह केवल बिहार में ही क्यों किया जा रहा है? क्या देश के अन्य राज्यों को इसकी जरूरत नहीं है? नेताओं ने आरोप लगाया कि यह पूरी प्रक्रिया बिहार को निशाना बनाने की एक सोची-समझी रणनीति है।

संविधान का अनुच्छेद 324 (1) भारत के निर्वाचन आयोग को संसद और राज्य विधानसभाओं के- चुनावों के लिए मतदाता सूची तैयार करने और उनके संचालन के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण की शक्ति देता है। गहन पुनरीक्षण में मतदाता सूची को नए सिरे से तैयार किया जाता है। भारत निर्वाचन आयोग बिहार के बाद, चुनाव आयोग इस वर्ष के अंत तक 2026 में चुनाव होने वाले पांच राज्यों में मतदाता सूचियों की इसी प्रकार की समीक्षा करेगा। असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं का कार्यकाल अगले वर्ष मई-जून में समाप्त हो रहा है। ध्यान रहे पश्चिम बंगाल और असम दोनों ही राज्यों में एनआरसी बड़ा मुद्दा है क्योंकि इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और शरणार्थियों की बड़ी संख्या है।

राजनीतिक हलकों में इस बात की जोरों से चर्चा है कि बिहार के बाद मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की बारी पश्चिम बंगाल की होगी। तभी पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस बहुत बेचैन है। तृणमूल कांग्रेस को यह चिंता सता रही है कि अगर चुनाव आयोग ने चुनिंदा विधानसभा क्षेत्रों में टारगेट करके मतदाताओं के नाम काटे तो उसका फायदा भाजपा को होगा। पश्चिम बंगाल में 30 फीसदी मुस्लिम आबादी है, जिसके बारे में भाजपा आरोप लगाती है कि इनमें बड़ी संख्या बांग्लादेशी और रोहिंग्या की है। इनका वोट एकमुश्त तृणमूल को जाता है। हर क्षेत्र में 10 से 20 हजार नाम अगर कट जाते हैं तो तृणमूल को उसका बड़ा नुकसान होगा। हालांकि बिहार से उलट पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नेता ज्यादा जागरूक और सक्रिय हैं। वे आसानी से नाम नहीं कटने देंगे। पिछले कई महीनों से वे खुद घर घर जाकर सब चेक कर रहे हैं।

बिहार की राजनीति को करीब से जानने वालों के अनुसार, निर्वाचन आयोग देश में अवैध रूप से बांग्लादेश, नेपाल और म्यांमार से आकर जो लोग रह रहे हैं, जिन्होंने मतदाता सूची में नाम दर्ज करवा लिया है। वैसे लोगों को मतदाता सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू की है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि जो भी अवैध रूप से बिहार आकर बस गए हैं, उनका वोट विपक्ष को जाता है। यही कारण है कि इंडिया गठबंधन के घटक दल हो या ओवैसी, इनको इस बात का डर सता रहा है कि मतदाता सूची से यदि इनका नाम कट गया तो उनका राजनीतिक रूप से नुकसान होगा।

बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है। यही कारण है कि वर्षों से इस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों की रोक की मांग उठती रही है। कई इलाकों से हिंदुओं के पलायन की भी खबर उठी थी। केंद्र सरकार ने जब पूरे देश में एनआरसी लागू करने की बात कही थी तो बिहार में इस इलाके से भी विरोध के सुर उठे थे।

2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में राजद का वोट शेयर बढ़ा था। राजद को 23.11 फीसदी वोट मिले। भाजपा को 19.46 प्रतिशत ही वोट मिले, जदयू के खाते में 15.42 प्रतिशत वोट आया। 2024 लोकसभा चुनाव में बिहार में भाजपा और जेडीयू ने 12-12 सीटें जीती। आरजेडी ने 4 सीटें, कांग्रेस ने 3 सीटें और एलजेपी (आर) ने 5 सीटें जीती हैं। सीपीआई (एमएल) ने 2 सीटें जीती हैं, जबकि एचएएम और एक स्वतंत्र उम्मीदवार ने 1-1 सीट जीती है।

जाति आधारित सर्वेक्षण आंकड़ों के अनुसार बिहार में करीब 17.70 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं। वहीं, बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से 47 सीटें ऐसी हैं, जहां मुस्लिम वोटर अहम भूमिका अदा करते हैं। इन इलाकों में मुस्लिम आबादी 20 से 40 प्रतिशत या इससे भी अधिक है। बिहार की 11 सीटें हैं, 10 से 30 फीसदी के बीच मुस्लिम मतदाता हैं। जानकारों का मानना है कि चुनिंदा क्षेत्रों में अगर एक निश्चित मात्रा में नाम कट जाएं तो मुकाबला कमजोर हो जाएगा। इसको समझने के बावजूद विपक्षी पार्टियां सड़क पर नहीं उतर रही हैं। हो सकता है कि इससे मुकाबले के लिए वे न्यायपालिका का रुख करें।

- डॉ. आशीष वशिष्ठ
(स्वतंत्र पत्रकार)

टीएमसी नेताओं की निर्लज्ज टिप्पणियों से उठा विवाद

कोलकाता में कानून की एक छात्रा से सामूहिक दुराचार-गैंगरेप का मुद्दा एक बार फिर पश्चिम बंगाल में जितना बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनने लगा है उतना ही बड़ा नारी उत्पीड़न का मुद्दा बनकर उभर रहा है। इस मामले में पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की अनर्गल एवं निर्लज्ज टिप्पणी स्त्री की मर्यादा, सम्मान एवं अस्मिता के खिलाफ शर्मनाक, दुर्भाग्यपूर्ण व संवेदनहीन प्रतिक्रिया है। इन नेताओं ने गैंगरेप मामले पर विवादित बयान से राज्य एवं देश में भारी जनाक्रोश पैदा हो गया था। विशेषत: राजनेताओं के बयानों एवं सोच में एक बार फिर शर्मनाक ढंग से पीड़िता पर दोष मढ़ने की बेशर्म कोशिश की गई है। इस मामले में सत्तारूढ़ टीएमसी पार्टी अन्दर एवं बाहर दोनों मोर्चों पर घिरती हुई नजर आ रही है। जहां इस मामले में पार्टी के अन्दर गुटबाजी एक बार फिर सामने आयी है, वहीं भाजपा आक्रामक रूप से ममता सरकार को घेर रही है। टीएमसी की महिला नेत्री महुआ मोइत्रा टीएमसी नेताओं कल्याण बनर्जी और मदन मित्रा के उन बयानों पर निराशा व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि इन राजनेताओं के बयान में स्त्री-द्वेष पार्टी लाइन से परे है।

यह एक बदतर स्थिति है कि जिस पार्टी के नेताओं ने ये दुर्भाग्यपूर्ण बयान दिए हैं, उस पार्टी की सुप्रीमो एक महिला ही है। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि ममता बनर्जी जैसी तेजतर्रार मुख्यमंत्री के शासन और नेतृत्व के वर्षों के दौरान टीएमसी के भीतर नारी सम्मान एवं अस्मिता को लेकर संवेदनशीलता लाने और मानसिकता में बदलाव लाने के प्रयास विफल होते नजर आ रहे हैं। अकसर महिलाएं और महिला राजनेता पुरुष नेताओं के हाथों अश्लील, अभद्र और तौहीन भरी टिप्पणओं की शिकार होती रही हैं। ऐसे बयानों के बावजूद अकसर ये राजनेता किसी कठोर कार्रवाई की बजाय हल्की फुल्की फटकार के बाद बच निकलते हैं। ये बयान कभी महिलाओं की बॉडी शेमिंग करते नज़र आते हैं तो कभी बलात्कार जैसे गंभीर अपराध को मामूली बताने की कोशिश करते हुए नजर आते हैं। इसके साथ ही ये चिन्ताजनक संदेश भी जाता है कि महिलाओं के बारे में हल्के और आपत्तिजनक बयान देना विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के लिये सामान्य बात है।

जब किसी देश की बेटियां न्याय का अध्ययन कर रही हों और वहीं उनके साथ अन्याय की पराकाष्ठा हो तो यह केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि पूरे समाज, व्यवस्था और सोच के लिए एक जघन्य आइना बन जाती है। प्रतिष्ठित लॉ कॉलेज की छात्रा के साथ हुए सामूहिक बलात्कार की घटना ने न केवल राजनीतिक सोच एवं कानून के मंदिरों को शर्मसार किया है, बल्कि हर संवेदनशील मन को झकझोर दिया है। पीड़िता एक लॉ कॉलेज में अध्ययनरत छात्रा थी, जो अपने उज्ज्वल भविष्य के सपनों के साथ शिक्षा के पथ पर अग्रसर थी। घटना की रात वह अपने कुछ परिचितों के साथ बाहर थी, जिनमें से ही कुछ ने उसकी अस्मिता को रौंद डाला। उसे नशा दिया गया और फिर सुनसान स्थान पर ले जाकर कई लोगों ने उसके साथ बलात्कार किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कुछ आरोपियों को हिरासत में लिया है, लेकिन सवाल यह है कि जब कानून पढ़ने वाली लड़की खुद असुरक्षित है, तो आम महिलाएं कैसे सुरक्षित होंगी? क्या यह कानून की शिक्षा देने वाली संस्थाओं एवं शासन करने वाली सत्ताओं के लिए आत्ममंथन का समय नहीं है? ऐसी घटनाओं पर निर्भया कांड के बाद बने कानूनों का सख्ती से पालन हो। रेप को सिर्फ एक 'जुर्म' नहीं, 'राष्ट्रीय आपदा' माना जाए, और उसकी रोकथाम के लिए शिक्षा, संस्कार और तकनीकी सुरक्षा साधनों को प्राथमिकता दी जाए। कोलकाता की लॉ छात्रा की यह दर्दनाक घटना हमें चेताती है कि केवल कानून बना लेना काफी नहीं, जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक बेटियां असुरक्षित रहेंगी। यह केवल एक छात्रा की लड़ाई नहीं, बल्कि हर बेटी की सुरक्षा की लड़ाई है। न्याय तब होगा जब ऐसी घटनाएं रुकेंगी और उसके लिए हमें मिलकर लड़ना होगा।

सबसे दुखद पहलू यह है कि अनेक बार ऐसी घटनाओं में समाज चुप रहता है, पीड़िता को दोषी ठहराने की कोशिश की जाती है। सोशल मीडिया पर तंज, मीडिया ट्रायल और व्यक्तिगत चरित्रहनन जैसी बातें पीड़िता को न्याय से अधिक पीड़ा देती हैं। पीड़िता के लिये यह पीड़ा तब और बढ़ जाती है जब उनके जन-प्रतिनिधि निर्लज्ज बयानबाजी करते हैं। विडंबना यह है कि पीड़िता के प्रति निर्लज्ज बयानबाजी अकेले पश्चिम बंगाल का ही मामला नहीं है, देश के अन्य राज्यों में भी ऐसी संवेदनहीन टिप्पणियां सामने आती रही हैं। यदि इक्कीसवीं सदी के खुले समाज में हम महिलाओं के प्रति संकीर्णता की दृष्टि से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं, तो इसे विडंबना ही कहा जाएगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि ये वे लोग हैं जिन्हें जनता अपना नेता मानती है और लाखों लोग उन्हें चुनकर जनप्रतिनिधि संस्थाओं में कानून बनाने व व्यवस्था चलाने भेजते हैं। देश में बढ़ रही यौन-शोषण, रेप एवं नारी दुराचार की घटनाओं को देखते हुए जन-प्रतिनिधियों को ज्यादा संवेदनशील होने की अपेक्षा की जाती है। बड़ा प्रश्न है कि आखिर किसी राजनेता को हर महिला के साथ हुए दुर्व्यवहार और यौन शोषण को असंवेदनशील तरीके से देखने की छूट क्यों एवं कैसे मिल जाती है।

भारत ही ऐसा देश है, जहां महिलाओं की अस्मिता एवं अस्तित्व को तार-तार करने वाले नेताओं के निर्लज्ज बयानों के बावजूद उन पर कोई ठोस, सख्त एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होती। जबकि विश्व के अन्य देशों में ऐसा नहीं है। जैसे 2017 में ब्रिटेन के एक पार्षद के सामान्य से बयान पर अच्छा खासा बवाल मचा था। पार्षद ने सांसद का चुनाव लड़ रही एक गर्भवती महिला राजनेता के बारे में कह दिया था, 'वो गर्भवती हैं और उनका समय तो नैपी बदलने में ही बीत जाएगा, वो आम लोगों की आवाज़ क्या उठाएंगी?' इसके लिए पार्षद को माफ़ी मांगनी पड़ी। ब्रिटेन जैसे कई देशों में अकसर ऐसे बयानों पर कार्रवाई होती है। मिसाल के तौर पर 2017 में ही यूरोपियन संसद के एक सांसद ने बयान दिया था कि महिलाओं को कम पैसा मिलना चाहिए क्योंकि वो कमज़ोर, छोटी और कम बुद्धिमान होती हैं।' इसके बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया था और उन्हें मिलने वाला भत्ता भी बंद हो गया था।

कोलकाता की लॉ छात्रा मामले में टीएमसी नेताओं की टिप्पणियां निस्संदेह निंदनीय हैं, लेकिन पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा भी कड़े शब्दों में इसकी निंदा की जानी चाहिए। ममता बनर्जी के सामने एक और चुनौती है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार-हत्याकांड और उसके बाद देश भर में उपजा आक्रोश अभी भी यादों में ताजा है। निस्संदेह, केवल टिप्पणियों से पार्टी को अलग कर देना ही पर्याप्त नहीं है। सार्वजनिक जीवन में नारी सम्मान एवं जीवन-मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों के लिये परिणाम तय होने चाहिए। अन्यथा समाज में ये संदेश जाएगा कि ऐसे कुत्सित प्रयासों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होती है। किसी अपराध की रोकथाम अच्छे शासन की अनिवार्य शर्त बनना चाहिए लेकिन जब कोई अपराध होता है तो प्रभावी प्रतिक्रिया भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। टीएमसी दोनों ही मामलों में विफल प्रतीत होती है। ऐसे मामलों में अत्याचार करने वालों की ही भांति अत्याचार का समर्थन करने वाले दोषी है। अत्याचारियों के लिये ही त्वरित न्याय और सख्त सजा जरूरी है लेकिन जन-प्रतिनिधि की निर्लज्ज बयानबाजी भी अपराध के दायरे में होनी चाहिए। आजीवन शोषण, दमन, अत्याचार, अवांछित बर्ताव और अपमान की शिकार रही भारतीय नारी को अब ऐसे और नये-नये तरीकों से कब तक जहर के घूंट पीने को विवश होना होगा।

- ललित गर्ग

राशिफल

आषाढ़ माह शुक्ल पक्ष नवमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। गुण, ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
लिखने पढ़ने में समय व्यतीत करें। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
भौतिक सुख सुविधा में वृद्धि होगी लेकिन गृह कलह के संकेत हैं। भूमि, भवन और खरीदारी का योग बनेगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य अच्छा हो गया है। प्रेम, संतान का साथ है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
धनार्जन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। वाणी पर विराम लगाएं या वाणी पर थोड़ा सा रोक लगा करके बोलें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
सितारों की तरह चमकेंगे। जो चाहेंगे वो होगा। जिस चीज की जरूरत होगी, उसकी उपलब्धता होगी।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
मन चिंतित रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। और सिर दर्द, नेत्र पीड़ा संभव है। स्वास्थ्य मध्यम।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पुराने स्रोत से भी पैसे मिलेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

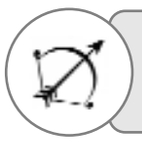

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगी। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। पिता का साथ होगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
भाग्य साथ देगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

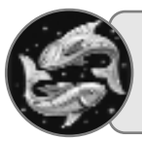

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

आईआईए चैप्टर के चेयरमैन बने सरबजीत सिंह

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय उद्योग एसोसिएशन (आईआईए) के नववर्ष सत्र 2025-26 की शुरुआत के साथ ही संगठन में नई नियुक्तियों का दौर भी शुरू हो गया है। इसी क्रम में ग्रेटर नोएडा चैप्टर के सचिव रहे सरबजीत सिंह (पलक टेप्स) को आईआईए ग्रेटर नोएडा चैप्टर का चेयरमैन नियुक्त किया गया है।

आईआईए के विधान के अनुसार, हर वर्ष 1 जुलाई से नए सत्र का शुभारंभ होता है। इस वर्ष लखनऊ स्थित आईआईए भवन के सभागार में भव्य शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें नव नियुक्त पदाधिकारियों ने अपने पद एवं कर्तव्यों की शपथ ली।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अरुण कुमार सक्सेना ने नवचयनित पदाधिकारियों को पद एवं निष्ठा की शपथ दिलाई। उन्होंने आईआईए द्वारा एमएसएमई क्षेत्र के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और संगठन को सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

सरबजीत सिंह की नियुक्ति न केवल उनके मजबूत नेतृत्व और कार्यशैली का प्रमाण है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि उन्होंने उद्योग जगत में ग्रेटर नोएडा चैप्टर को एक सशक्त मंच के रूप में स्थापित किया है। उनकी कार्यकुशलता और समर्पण को देखते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

संचारी रोगों से सुरक्षा के लिए अभियान

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा संयुक्त जिला अस्पताल सैक्टर-39 नोएडा में संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारंभ करते हुए आम जनमानस को संचारी रोगों के प्रति जागरूक करने के उददेश्य से जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. नरेन्द्र कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका डा. अजय राणा, उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 जैश लाल, उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. संजीव कुमार, जिला मलेरिया अधिकारी श्रुति कीर्ति वर्मा उपस्थित रही।

जिला अधिकारी ने सभी अधिकारियो को विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान को लेकर शपथ दिलाते हुए कहा कि हम सभी संचारी रोगों को लेकर अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करेंगे और उनको बताएंगे कि हम किस प्रकार से अपना संचारी रोगों से बचाव कर सकते हैं और यदि कोई भी व्यक्ति हमें संचारी रोग से ग्रस्त मिलता है, तो तत्काल उसको जिला अस्पताल भेज कर उपचार करायेंगे। रैली में मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं नोएडा विकास प्राधिकरण के छिडकाव व फागिंग कर्मचारियों तथा बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के अधिकारियों एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों तथा आशाओ ने प्रतिभाग किया। रैली संयुक्त जिला अस्पताल सैक्टर-39 नोएडा से प्रारम्भ होकर नोएडा सिटी सेन्टर से होते हुए सेक्टर-41 नोएडा पर समाप्त हुई। कर्मचारियों द्वारा नारे जैसे- जन जन ने ठाना है संचारी रोग भगाना है, लगाए गये।

जिलाधिकारी ने इस अवसर पर संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह उत्तर प्रदेश शासन का बहुत ही महत्वपूर्ण कार्यक्रम है और इस कार्यक्रम को माइक्रो प्लान तैयार करते हुए जनपद में सफल बनाया जाए ताकि जनपद वासियों को संचारी रोगों से सुरक्षित रखा जा सके। जुलाई मे एक्यूट डायरिया डिजीजेज (दस्त रोग) के संचरण की संभावना है, इसलिए आवश्यक है कि आशा अपने साथ ओ0आर0एस0 पैकेट तथा क्लोरिन की गोलिया भी रखे ताकि लक्षण युक्त व्यक्ति मिलने पर तत्काल उसे उपलब्ध कराये।

अखिलेश के जन्मदिन पर किया रक्तदान

नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता के नेतृत्व में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का 52वां जन्मदिन ,केक काटकर बड़े धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन महासचिव विकास यादव के द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के जन्मदिन के अवसर पर नोएडा महानगर संगठन द्वारा सबसे पहले पौधारोपण का कार्यक्रम किया गया उसके बाद, नोएडा सेक्टर 31रोटरी क्लब व सेक्टर 39 सरकारी अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता, गौरव चाचरा, रविंदर यादव ,मयंक लाल, टीटू यादव, ऋषि कुमार,सागर, राणा मुखर्जी, मेहकार तंवर, बिल्लू सैफी, सुरेंद्र कुमार, रोहित यादव, उदय सिंह, आदि ने रक्तदान किया।

इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता , प्रदेश सचिव सुनील चौधरी, प्रदेश सचिव प्रधान भरत यादव, जय करण चौधरी के साथ-साथ महानगर संगठन के अन्य पदाधिकारी ने अखिलेश यादव को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके दीर्घायु होने की कामना की। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य रूप से महासचिव विकास यादव, मोहम्मद तसलीम, संजय त्यागी, मुकेश प्रधान, नीतीश बसोया, बबलू चौहान, गौरव कुमार यादव,मोहम्मद नौशाद,भीष्म यादव, विवेक यादव, दिव्यांशु यादव, बबली शर्मा ,रामवीर यादव, तनवीर, राम सहेली, केपी यादव, चिंटू त्यागी, शालिनी खारी, विनोद प्रधान, हरपाल सिंह जाटव, लखन यादव, मुकेश यादव, सुमित अंबावत, कवित गुर्जर, गौरव यादव, दिलशाद, अमित बसोया, अंकित यादव, अमित यादव, नकुल चौहान, गुलजार अल्वी, मोहित यादव, सोनू त्यागी, पंकज चौरसिया, संजय धींगान, भैया राम यादव आदि मौजूद रहे।

ईको फ्रेंडली पहल : नमो भारत के स्टेशनों पर स्थापित किए इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन

गाजियाबाद (चेतना मंच)। एनसीआरटीसी ने ईको फ्रेंडली परिवहन प्रणाली को बढ़ावा देने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के गुलधर व दुहाई स्टेशनों पर फास्ट इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए हैं। ये नव-स्थापित ई-वाहन चार्जिंग स्टेशन अत्याधुनिक फास्ट चार्जिंग सुविधा प्रदान करेंगे। यह प्रयास एनसीआरटीसी की स्वच्छ ऊर्जा पहलों को अपनाने व लास्ट माइल कनेक्टिविटी को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रत्येक नए फास्ट चार्जिंग स्टेशन पर 50 किलोवाट की क्षमता वाली हाई-वोल्टेज चार्जिंग यूनिट लगाई गई हैं, जो इलेक्ट्रिक वाहनों को अधिक तेज़ी से चार्ज करने की सुविधा प्रदान करेंगी। ये चार्जिंग यूनिट चौपहिया वाहनों को मात्र 30 मिनट में लगभग 80% तक चार्ज करने की क्षमता रखते हैं। इन स्टेशनों पर विभिन्न प्रकार के ई-वाहनों के लिए चार्जिंग पॉइंट्स भी उपलब्ध कराए गए हैं। गुलधर स्टेशन पर स्थित फास्ट इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन पर एक बार में एक वाहन और दुहाई स्टेशन पर स्थित फास्ट इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन पर एक साथ 2 वाहनों के चार्ज करने की सुविधा है।

इस सुविधा का लाभ इलेक्ट्रिक वाहन धारक 'इलेक्ट्रीफाई' (ElectreeFi) मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से उठा सकते हैं। इस ऐप को गूगल प्ले ऐप स्टोर या एप्पल ऐप स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। ईवी चार्जिंग की पूरी प्रक्रिया ऐप के जरिए ही कार्य करती है। इसका लाभ उठाने के लिए यूज़र को ऐप में रजिस्टर करने के बाद संबन्धित नमो भारत स्टेशन पर ईवी चार्जिंग के लिए ऑनलाइन स्लॉट बुक करना होगा। स्लॉट बुक करने के बाद ई- वाहन को कुछ ही मिनटों में चार्ज किया जा सकता है। इस ऐप के जरिए उपयोगकर्ता अपने वाहन की चार्जिंग स्थिति की रीयल-टाइम मॉनिटरिंग कर सकते हैं और डिजिटल माध्यम से आसानी से भुगतान भी कर सकते हैं।

साहिबाबाद, गुलधर व दुहाई के स्टेशनों पर सुविधा

इसके अलावा ई-वाहन चार्जिंग की सुविधा साहिबाबाद नमो भारत स्टेशन पर भी उपलब्ध है। अब गुलधर और दुहाई स्टेशन पर दो फास्ट चार्जिंग स्टेशनों के साथ कॉरिडोर पर कुल तीन ई-वाहन चार्जिंग स्टेशन यात्रियों के ई-वाहनों को चार्ज करने के लिए उपलब्ध हैं।

एनसीआरटीसी की यह पहल उसके सतत विकास लक्ष्यों और बेहतर लास्ट माइल कनेक्टिविटी प्रदान करने की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। यह सुविधा न केवल नमो भारत यात्रियों को लाभ पहुंचाएगी, बल्कि आसपास के क्षेत्रों के निवासियों के लिए भी इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में एक प्रोत्साहन के रूप में कार्य करेगी।

सफीपुर में हुआ पौधारोपण

ग्रेटर नोएडा(चेतना मंच)। रोटरी क्लब ग्रेटर नोएडा द्वारा रोटरी नव वर्ष के प्रथम दिन वृक्षारोपण कार्यक्रम सफीपुर मोक्षधाम में आयोजित किया गया। इस अवसर को गौरवमयी बनाने के लिए हमारे मुख्य अतिथि शैलेन्द्र भाटिया (आईएएस), नोडल अधिकारी जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट उपस्थित रहे। रोटरी क्लब का नया कार्यकाल कल खुला उसी अवसर पर मोक्षधाम में आम, अमरूद, नीम, जामुन, आदि के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष शुभम् सिंघल, मुकुल गोयल, कपिल गुप्ता, विनय गुप्ता, कपिल गर्ग, मनु जिंदल, मोहित बंसल, नितिन तायल, सुधीर मावी, विशाल तायल, दीपांशु गर्ग, अशोक सेमवाल, राकेश शर्मा, विकास जिंदल, अभिषेक गोयल, शुभम गोयल, उदित गोयल, सचिन शर्मा आदि उपस्थित रहे।

सृष्टि राज को मिला डॉ प्रतीक मिश्र विशेष सम्मान

मिर्जापुर। लेखिका सृष्टि राज को भारतीय बाल कल्याण संस्थान,कानपुर (रजि) ने अपने 64वें बाल साहित्य सम्मान समारोह- 2025 में डॉ. प्रतीक मिश्र विशेष सम्मान प्रदान किया। यह सम्मान सृष्टि राज को बाल साहित्य में विशेष कार्य के लिए दिया गया। सृष्टि राज की बाल साहित्य की दो चर्चित पुस्तकें 1. दर्पण में बचपन और 2 बहादुर कुकू, प्रकाशित हो चुकी हैं। सृष्टि राज मिर्जापुर के विंध्यवासिनी महाविद्यालय में बी ए तृतीय वर्ष की छात्रा हैं। प्रसिद्ध साहित्यकार आनंद अमित इनके पिता हैं। इनकी तबियत खराब होने के कारण सृष्टि राज कानपुर समारोह में नहीं पहुंच पाई थीं। सम्मान को सुभाष वर्मा ने संस्था सचिव एस बी शर्मा से प्राप्त किया और सृष्टि राज तक पहुंचाया।

सृष्टि राज आकाशवाणी वाराणसी, पारस टीवी आदि पर अपनी कविताएं पढ़ चुकी हैं। इनकी रचनाएं विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में निरंतर प्रकाशित होती रहती हैं। सृष्टि राज को 2024 में कानपुर और श्रीनाथद्वारा राजस्थान में भी बाल साहित्य के लिए सम्मानित व पुरस्कृत किया जा चुका है।

भारतीय बाल कल्याण संस्थान द्वारा सृष्टि राज को सम्मान दिए जाने पर मिर्ज़ापुर के साहित्यकारों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। वरिष्ठ साहित्यकार भोलानाथ कुशवाहा, प्रसिद्ध नवगीतकार गणेश गंभीर, डॉ. नीरज त्रिपाठी, प्रवीन राठी, प्रसिद्ध संचालक व कवि लल्लू तिवारी, अरविंद अवस्थी, लालब्रत सिंह सुगम, केदारनाथ सविता, डॉ. रमाशंकर शुक्ल, आनंद अमित, डॉ सुधा सिंह, रमाशंकर सिंह यादव, पूजा यादव, कुलभूषण पाठक, इरफान कुरैशी, सुभाष वर्मा, आनंद केसरी, नंदिनी वर्मा, श्रुति जायसवाल, इला जायसवाल आदि ने बधाई दी।

इंटरलॉकिंग में प्रयोग हो रही है घटिया टाइल्स

ग्रामीणों ने लगाया ठेकेदार पर आरोप

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गांव मिल्क लच्छी में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा इंटरलॉकिंग का काम शुरू कराया गया है जिसमें बेहद खराब टाइल्स का उपयोग ठेकेदार द्वारा किया जा रहा है। यह आरोप मिल्क लक्ष्मी गांव के लोगों ने लगाया है। ग्रामीणों का कहना है की इंटरलॉकिंग में लगाए जा रहे टाइल्स एवं रोड़ी बेहद घटिया किस्म के हैं इसकी कई बार शिकायत की गई। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई ग्रामीणों ने कहा है कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य पालक अधिकारी मामले की जांच कर दोषी ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करें।

ग्रामीणों ने कहा कि ठेकेदार से कई बार इस मामले को लेकर कहा गया लेकिन ठेकेदार ने अपना रवैया नहीं बदला और अभी भी घटिया एवं खराब किस्म की टाइल्स का उपयोग इंटरलॉकिंग कार्य में किया जा रहा है जब इस संबंध में डिवीजन प्रथम के मैनेजर नीतीश कुमार से बात की गई उन्होंने कहा कि मामला मेरे संज्ञान में नहीं है जांच करवाई जायेगी।

पृष्ठ एक के शेष....

अवैध कब्जा बर्दाश्त...

उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि हर व्यक्ति को न्याय दिलाया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

सीएम ने अफसरों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

प्राधिकरण के उद्यान...

प्राधिकरण से इसकी शिकायत की थी। इसी को लेकर दिलीप मिश्रा ने फोनरवा अध्यक्ष से भी मामले का संज्ञान लेकर प्राधिकरण से इसका तुरंत समाधान करवाने की मांग की है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

कोयला मंत्रालय सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम पोर्टल पर अन्वेषण मॉड्यूल चार को करेगा लांच

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय अपनी डिजिटल प्रगति को जारी रखते हुए केंद्रीय खान नियोजन एवं डिजाइन संस्थान लिमिटेड (सीएमपीडीआईएल) के सहयोग से विकसित अब सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम वेब पोर्टल पर अन्वेषण मॉड्यूल लॉन्च करने के लिए तैयार है। कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी 4 जुलाई को नए मॉड्यूल का औपचारिक उद्घाटन करेंगे। मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि यह पहल भारत की कोयला अन्वेषण मूल्य श्रृंखला के एंड-टू-एंड डिजिटलीकरण में एक बड़ी छलांग है, जो कोयला ब्लॉक आवंटियों को एक एकीकृत मंच के माध्यम से अन्वेषण प्रस्ताव प्रस्तुत करने और ट्रैक करने में सक्षम बनाती है। यह मॉड्यूल अन्वेषण के सभी चरणों को एकीकृत डिजिटल इंटरफेस के तहत लाता है, जिसमें योजनाओं की जांच, प्रगति अपडेट, भूवैज्ञानिक रिपोर्ट प्रस्तुतियां, अवलोकन, अनुपालन और अंतिम अनुमोदन शामिल हैं।

एनएमडीसी ने लगातार दूसरी बार किया कटौती का ऐलान

नई दिल्ली। सार्वजनिक खनन कंपनी एनएमडीसी लिमिटेड के शेयरों में मंगलवार, 1 जुलाई को 2.3 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। गिरावट की वजह कंपनी द्वारा लगातार दूसरे महीने अपने प्रमुख उत्पादों की कीमतों में की गई कटौती है। एनएमडीसी ने लम्प ऑर की कीमत 600 रुपए से घटाकर 5,700 रुपए प्रति टन और फाइंस की कीमत 500 रुपए से घटाकर 4,850 रुपए प्रति टन कर दी है। यह नई दरें 1 जुलाई से प्रभावी हो गई हैं। इससे पहले जून में भी कंपनी ने 140-150 रुपए प्रति टन की कटौती की थी। हालांकि मार्च तिमाही में पेलट्स और अन्य खनिजों से कंपनी की आय बढ़ी थी लेकिन आयरन ओर की बिक्री से मिलने वाली प्रति टन आमदनी अनुमान से कम रही। इसके साथ ही कर्मचारियों और परिचालन लागत में बढ़ोतरी के चलते कंपनी के मुनाफे पर दबाव बना रहा।

नवरत्न कंपनी बीईएल को मिला 528 करोड़ का ऑर्डर

नई दिल्ली। नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के स्टॉक्स में मंगलवार को जोरदार तेजी देखी जा रही है। बीईएल के शेयर मंगलवार को बीएसई में 3 फीसदी से अधिक चढ़कर 436 रुपये के स्तर पर पहुंच गया, जिसके साथ ही नवरत्न कंपनी के शेयर रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया। यह तेजी तब आई जब कंपनी को 528 करोड़ रुपये का नया ऑर्डर मिलने की खबर सामने आई। इस अपडेट ने निवेशकों के भरोसे और उत्साह को बढ़ा दिया। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेडको मिले इस ताजा ऑर्डर में कई अत्याधुनिक रक्षा और रणनीतिक उपकरण शामिल हैं। इन उपकरणों में रडार, कम्युनिकेशन सिस्टम्स, जैमर्स, शेल्टर्स, कंट्रोल सेंटर्स, स्पेयर्स, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन्स संबंधित सेवाएं शामिल हैं। इससे पहले भी कंपनी को 585 करोड़ रुपये और 537 करोड़ रुपये के अन्य रक्षा उपकरणों और सिस्टम्स से जुड़े ऑर्डर मिल चुके हैं, जो इसकी लगातार बढ़ती ऑर्डर बुक को बताता है।

कल्पतरु का शेयर नौ प्रतिशत से अधिक चढ़ा

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी कल्पतरु लिमिटेड के शेयर ने 414 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले मंगलवार को बाजार में सपाट शुरूआत की, लेकिन जल्द ही वापसी करते हुए यह नौ प्रतिशत से अधिक चढ़ गया। बीएसई पर शेयर ने 414.10 रुपये पर शुरूआत की। बाद में इसमें तेजी आई और यह निर्गम मूल्य के मुकाबले 9.42 प्रतिशत चढ़कर 453 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर शेयर निर्गम मूल्य 414 रुपये पर ही सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 9.37 प्रतिशत चढ़कर 452.80 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन शुरूआती कारोबार के दौरान 9,121.99 करोड़ रुपये रहा। कल्पतरु के आरंभिक शेयर निर्गम (आईपीओ) को बोली के आखिरी दिन गुरुवार को 2.26 गुना अभिदान मिला था। कंपनी का आईपीओ 1,590 करोड़ रुपये के नए शेयर का निर्गम है।

स्टेट बैंक के डिजिटल परिवर्तन से ग्राहक लाभंवित : वित्त मंत्री

- 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने के लिए बैंक की ओर से नवोन्मेषण और सशक्तीकरण जारी रखने की उम्मीद है

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि पिछले एक दशक में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के डिजिटल बदलाव उसके ग्राहकों के लिए बेहद फायदेमंद रहे हैं। देश की सेवा में 70 वर्ष पूरा करने पर एसबीआई को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने के लिए बैंक की ओर से नवोन्मेषण और सशक्तीकरण जारी रखने की उम्मीद है। सीतारमण ने एक्स पोस्ट पर एसबीआई के 70 साल पूरा होने पर लिखा, 23,000 से अधिक शाखाओं, 78,000 ग्राहक सेवा केंद्रों (सीएसपी) और 64,000 एटीएम के साथ आज एसबीआई की स्थिति बहुत मजबूत है। यह वाकई हर भारतीय का बैंक है। पिछले दशक में इसने जो डिजिटल बदलाव हासिल किया है। वह इसके ग्राहकों के लिए काफी फायदेमंद रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया नवाचार और सशक्तीकरण जारी रखेगा, क्योंकि भारत 2047 तक 'विकसित भारत' की ओर अपनी यात्रा जारी रखेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि एसबीआई ने 1.5 करोड़ किसानों, महिलाओं द्वारा संचालित 1.3 करोड़ स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), पीएम स्वनिधि के तहत 32 लाख रेहड़ी पटरी वालों, 23 लाख सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) और विभिन्न योजनाओं के तहत लाखों कारीगरों को सहायता प्रदान करने में अहम भूमिका निभाई है। एसबीआई के पास 15 करोड़ से अधिक जन-धन खाते, 14.65 करोड़ पीएम सुरक्षा बीमा योजना, 1.73 करोड़ अटल पेंशन योजना और 7 करोड़ पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना के लाभार्थी हैं। एसबीआई ने एक्स पोस्ट पर लिखा एक बैंक। एक विरासत। राष्ट्र के उत्थान के पीछे की शक्तियों में से एक। 70 वर्षों से एसबीआई सिर्फ एक बैंक से कहीं बढ़कर रहा है, यह प्रगति में भागीदार रहा है, विश्वास का स्तंभ रहा है और भारत की आकांक्षाओं का प्रतीक रहा है। पहले घरों को ईंधन देने से लेकर राष्ट्रीय मील के पत्थर का समर्थन करने तक, जमीनी स्तर पर विकास से लेकर वैश्विक पदचिह्नों तक एसबीआई दुनियाभर में हर कोने में हर भारतीय के साथ खड़ा रहा है। बैंक ने लिखा है कि 219 साल पुरानी विरासत में निहित इसने राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को शक्ति दी है, बैंकिंग को सरल बनाया है और वित्तीय समावेशन को एक आंदोलन बनने से बहुत पहले ही वास्तविकता बना दिया है, जैसा कि हम स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के 70 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, हम एक ऐसी यात्रा का सम्मान करते हैं, जो भारत की अपनी यात्रा को दर्शाती है, महत्वाकांक्षा, विकास और लचीलेपन की यात्रा। उल्लेखनीय है कि एसबीआई ने अपनी 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर देश के नवीकरणीय ऊर्जा बदलाव प्रयासों में मदद करने के लिए वित्त वर्ष 2026-27 तक 40 लाख घरों को सौर ऊर्जा से संचालित करने की योजना की घोषणा की है। एसबीआई के चेयरमैन सी. एस सेट्टी ने कहा, हमारा लक्ष्य सिर्फ बड़े पैमाने पर नेतृत्व करना नहीं है, बल्कि उद्देश्य के साथ नेतृत्व करना है, हर हितधारक के लिए दीर्घकालिक मूल्य को अनलॉक करना और भारत की यात्रा को अधिक न्यायसंगत और लचीले भविष्य की ओर ले जाना है।

मारुति और टोयोटा करेगी कई एसयूवी लांच

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी कंपनी और जापान की दिग्गज टोयोटा आने वाले महीनों में भारत में कई नई एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी कर रही हैं। मारुति सुजुकी अपनी पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी ई-विटारा को भारतीय बाजार में पेश करने जा रही है। इस एसयूवी को कंपनी ने 2025 भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में भी शोकेस किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक ई-विटारा में दो बैटरी पैक के विकल्प मिलेंगे और यह एक बार चार्ज करने पर 500 किलोमीटर से ज्यादा की रेंज दे सकती है। यह एसयूवी भारतीय ग्राहकों के लिए किफायती इलेक्ट्रिक विकल्प बन सकती है। इसके अलावा मारुति अपनी नई मिड-साइज एसयूवी भी उतारने जा रही है, जिसका कोडनेम वाय17 है और नाम मारुति एस्कुडो रखा जा सकता है। यह एसयूवी ब्रेजा और ग्रैंड विटारा के बीच की रेंज में आएगी। इसे अगले 2-3 महीनों में लॉन्च किए जाने की संभावना है। इसमें 1.5 लीटर का 4-सिलेंडर पेट्रोल इंजन और माइल्ड हाइब्रिड तकनीक देखने को मिलेगी।

हीरो स्प्लेंडर ने फिर बिक्री के सारे रिकॉर्ड पीछे छोड़े

एजेंसी

नई दिल्ली। मई 2025 में हीरो मोटोकॉर्प की सबसे पॉपुलर बाइक हीरो स्प्लेंडर ने एक बार फिर बिक्री के सारे रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिए। अकेले इस मॉडल ने 63.53 प्रतिशत बाजार पर कब्जा कर लिया। दूसरे नंबर पर हीरो एचएफ डीलक्स रही, जिसकी बिक्री 23.67 फीसदी बढ़कर 1,07,768 यूनिट तक पहुंच गई। इस दौरान स्प्लेंडर की 3,10,335 यूनिट बिकीं, जो 1.86 फीसदी सालाना बढ़ोतरी दर्शाती है। वहीं हीरो पैशन की बिक्री 24.92 फीसदी गिरावट के साथ 16,763 यूनिट पर सिमट गई। चौथे नंबर पर हीरो एक्सट्रीम 125 फरही, जिसने 15.89 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 16,602 यूनिट बेचीं। हीरो डेस्टिनी 125 पांचवें स्थान पर रही, इसकी बिक्री 31.41 फीसदी बढ़कर 15,018 यूनिट रही। इलेक्ट्रिक सेगमेंट में हीरो विडा ने 129.70 फीसदी की जबरदस्त सालाना ग्रोथ दर्ज की और 8,361 यूनिट बिके। सातवें नंबर पर हीरो प्लेजर रहा, जिसकी बिक्री 29.53 फीसदी बढ़कर 8,128 यूनिट तक पहुंची। हालांकि कुछ मॉडलों ने कमजोर प्रदर्शन किया। हीरो एक्सपल्स की बिक्री 29.89 फीसदी घटकर 2,407 यूनिट रही। हीरो जूम की बिक्री 70.17 फीसदी गिरकर 1,029 यूनिट रही, जबकि हीरो ग्लैमर ने 95.21 फीसदी की बड़ी गिरावट के साथ केवल 911 यूनिट ही बेचीं।

स्मार्टफोन शाओमी 15 अल्ट्रा के नए कलर वेरिएंट्स पेश

नई दिल्ली। चाइनीज कंपनी शाओमी ने अपने प्रीमियम स्मार्टफोन शाओमी 15 अल्ट्रा के लिए नए कलर वेरिएंट्स प्रस्तुत किए हैं। नए रंगों में भी टू-टोन डिजाइन और सिल्वर स्ट्रिप के साथ वीगन लेदर बैक मिलता है, जो इसे विंटेज कैमरा जैसा लुक देता है। पहले यह फोन ब्लैक, वाइट और सिल्वर रंग में उपलब्ध था, लेकिन अब इसे पर्पल, एक्वामरीन और ब्राउन रंग में भी खरीदा जा सकेगा। इसके साथ ही कंपनी ने खासतौर पर फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए अपडेटेड कैमरा ग्रिप किट भी लॉन्च किया है। यह नया किट पहले से हल्का है और इसका वजन 42 ग्राम रखा गया है। हालांकि इसमें बिल्ट-इन बैटरी नहीं दी गई है।

वोडाफोन आइडिया ने 23 नए शहरों में शुरू की 5जी सेवा

रांची। भारत की अग्रणी टेलीकॉम कंपनियों में से एक वोडाफोन आइडिया ने अपने 5जी नेटवर्क के अगले चरण की घोषणा की है। इस चरण में देश के 23 नए शहरों में 5जी सेवाएं शुरू की जा रही हैं। इन शहरों में अहमदाबाद, आगरा, औरंगाबाद, कोझिकोड, कोचीन, देहरादून, इंदौर, जयपुर, कोलकाता, लखनऊ, मदुरै, मल्लापुरम, मेरठ, नागपुर, नासिक, पुणे, राजकोट, सोनीपत, सूरत, सिलीगुड़ी, त्रिवेंद्रम, वडोदरा और विशाखापत्तनम शामिल है। इन शहरों में 5जी-सक्षम डिवाइस उपयोग करने वाले उपभोक्ता जैसे ही सेवा लाइव होगी। वोडाफोन आइडिया की 5जी सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। लॉन्च ऑफर के तहत वोडाफोन आइडिया 299 से शुरू होने वाले प्लान्स पर अनलिमिटेड 5जी डेटा उपलब्ध करा रहा है। वोडाफोन आइडिया ने इससे पहले मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, चंडीगढ़ और पटना में अपनी 5जी सेवाएं शुरू की थीं। यह विस्तार वोडाफोन आइडिया के उन 17 प्राथमिक सर्कलों का हिस्सा है जहां कंपनी ने 5जी स्पेक्ट्रम हासिल किया है। अब तक जिन क्षेत्रों में 5जी सेवा शुरू हुई है, वहां 70% से अधिक योग्य उपभोक्ताओं ने इसका अनुभव लिया है।

सैमसंग ने नए गैलेक्सी फोल्डेबल फोन्स के लिए प्री-रिजर्व बुकिंग शुरू की

रांची। सैमसंग नौ जुलाई को न्यूयॉर्क में अपनी अगली पीढ़ी के फोल्डेबल स्मार्टफोन्स लॉन्च करने जा रहा है। यह नई सीरीज एआई-पावर्ड इंटरफेस के साथ आएगी और इसमें एडवांस हार्डवेयर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है, जिससे स्मार्टफोन का अनुभव पहले से कहीं ज्यादा बेहतर और स्मार्ट हो जाएगा। आधिकारिक लॉन्च से पहले भारत में ग्राहक सिर्फ 2000 रूपए की टोकन राशि देकर इन नए फोल्डेबल स्मार्टफोन्स को प्री-रिजर्व कर सकते हैं। प्री-रिजर्व करने वाले ग्राहकों को डिवाइस की खरीद पर 5999 रूपए तक के विशेष लाभ मिलेंगे और साथ ही उन्हें अर्ली डिलीवरी का भी फायदा मिलेगा। ग्राहक इन डिवाइसों को सैमसंग. कॉम, सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स, अमेजन. इन, फ्लिपकार्ट.कॉम और देशभर के प्रमुख रिटेल आउटलेट्स से प्री-रिजर्व कर सकते हैं। सैमसंग ने इन डिवाइसों को उपयोगकताओं की असल जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया है—बेहतर परफॉर्मेंस, और भी तेज कैमरे और स्मार्ट कनेक्टिविटी के साथ।

पुराने कपड़ों को टॉप ब्रांड्स के साथ करें एक्सचेंज

एजेंसी

मुंबई। ग्राहकों को अपनी तरफ खींचने के लिए कंपनियां तरह तरह के ऑफर लेकर आती रहती हैं। रिलायंस रिटेल का लोकप्रिय फैशन डेस्टिनेशन फैशन-फैक्ट्री भी एक्सचेंज फेस्टिवल लेकर आया है। फैशन-फैक्ट्री बड़े ब्रांड्स पर भारी छूट के लिए जाना जाता है। 20 जुलाई तक चलने वाले इस एक्सचेंज फेस्टिवल में ग्राहक अपने पुराने व अनब्रांडेड कपड़ों को ब्रांडेड कपड़ों व प्रोडक्ट में बदल सकेंगे। फैशन-फैक्ट्री के सभी स्टोर्स पर पर एक्सचेंज फेस्टिवल का फायदा उठाया जा सकता है। पुराने डेनिम, शर्ट, टी-शर्ट या बच्चों के कपड़े लेकर आने पर ग्राहकों को बदले में एक्सचेंज कूपन दिए जाएंगे। डेनिम के लिए 400 तक, शर्ट के लिए 250 तक, टी-शर्ट के लिए 150 तक और बच्चों के कपड़ों के लिए 100 तक के कूपन मिलेंगे। कूपन से ग्राहक रोजमर्रा की चीजें तो खरीद ही सकेंगे। ली, ली कूपर, जॉन प्लेयर्स, रेमंड, पार्क एवेन्यू, कैनो, पीटर इंग्लैंड, एलन सोली, वैन ह्यूसेन और लुइस फिलिप जैसे प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड्स में से भी खरीददारी कर सकेंगे। ग्राहकों को उनकी नई खरीदारी पर 50% तक की छूट भी मिलेगी। अगर आपकी अलमारी भी पुराने कपड़ों से अटी पड़ी है या फिर आप लाइफस्टाइल को अपग्रेड करना चाहते हैं तो यह एक्सचेंज फेस्टिवल आपके लिए है। ऑफिस के लिए शर्ट ढूंढ रहे हैं या वीकेंड के लिए स्टाइलिश टीशर्ट आपको फैशन-फैक्ट्री का यह एक्सचेंज फेस्टिवल निराश नही करेगा।

20 जुलाई तक चलेगा एक्सचेंज फेस्टिवल

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बाजार ज्यादा ऊपर नहीं आ पाया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 90.83 अंकों की बढ़त के साथ ही 83,697.29 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 24.75 अंकों की बढ़त के साथ ही 25,541.80 अंकों पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से सिर्फ 13 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ ऊपर आकर बंद हुए, जबकि बाकी की सभी 17 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे बंद हुए।

यशराज फिल्म्स ने सैयारा का अगला गाना धुन किया रिलीज

- अरिजीत सिंह, मिथुन और मोहित सूरी की ड्रीम म्यूजिकल तिकड़ी की हुई वापसी

एजेंसी

मुंबई। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में 'तुम ही हो' (आशिकी 2) जैसे ऐतिहासिक चार्टबस्टर्स देने वाले अरिजीत सिंह, मिथुन और मोहित सूरी की ब्लॉकबस्टर म्यूजिकल तिकड़ी एक बार फिर साथ आई है सैयारा के अगले गाने 'धुन' के लिए, जिसे मंगलवार को यशराज फिल्म्स ने रिलीज कर दिया है। मोहित सूरी और मिथुन की शानदार म्यूजिकल जर्नी को दो दशक पूरे हो गए हैं। उनकी साझेदारी 2005 में जहर और कलयुग से शुरू हुई थी। बीते 20 वर्षों में, इस जोड़ी ने मर्डर 2, आशिकी 2, एक विलेन, हमारी अधूरी कहानी, हाफ गर्लफ्रेंड, मलंग और अब सैयारा जैसे आइकॉनिक म्यूजिक एलबम्स पर साथ काम किया है। जहाँ एक तरफ अरिजीत सिंह को भारत के सबसे महान गायकों में गिना जाता है, वहीं उन्होंने मोहित सूरी की साझेदारी में भी कई अमर गीत दिए हैं, जैसे- तुम ही हो, चाहूँ मैं या ना, हम मर जाएँगे (आशिकी 2), हमदर्द (एक विलेन), हमारी अधूरी कहानी (टाइटल ट्रैक), फिर भी तुमको चाहूँगा (हाफ गर्लफ्रेंड), चल घर चलें (मलंग) और अब धुन (सैयारा)। सैयारा, एक बहुप्रतीक्षित रोमांटिक फिल्म है, जिसमें प्रेम कहानियों के माहिर दोनों, यशराज फिल्म्स और मोहित सूरी पहली बार एक साथ आए हैं। फिल्म को अब तक इसकी गहरी रोमांटिक कहानी, प्रभावशाली केमिस्ट्री और नए कलाकारों की शानदार परफॉर्मेंस के लिए लगातार प्रशंसा मिल रही है। फिल्म के साथ अहान पांडे यशराज फिल्म्स के नए हीरो के रूप में डेब्यू कर रहे हैं, वहीं अनीत पड्डा, जिन्होंने बिग गर्ल्स डोंट क्राई में अपने अभिनय से कई दर्शकों के दिल जीते, को अगली वाईआरएफ हीरोइन के तौर पर पेश किया गया है।

कोल इंडिया, हिंदुस्तान कॉपर के साथ खनिज क्षेत्र में करेंगे काम

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने मंगलवार को महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में मिलकर काम करने के लिए हिंदुस्तान कॉपर के साथ एक समझौता किया है। सीआईएल ने बीएसई को दी सूचना में बताया कि दोनों कंपनियों ने तांबा और महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्रों में विभिन्न पहलुओं पर सहयोग के लिए सोमवार को गैर-बाध्यकारी समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इससे पहले सीआईएल और आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड ने महत्वपूर्ण खनिजों के विकास पर सहयोग एवं सहभागिता के लिए एक गैर-बाध्यकारी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य खनिज रेत और दुर्लभ खनिजों सहित महत्वपूर्ण खनिजों की परस्पर सहमत परिसंपत्तियों का विकास करना है। सीआईएल की घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। तांबा, लिथियम, निकल, कोबाल्ट और दुर्लभ पृथ्वी तत्व जैसे खनिज तेजी से बढ़ती स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के विकास को बढ़ावा देने के लिए कच्चे माल हैं।

राणा नायडू सीजन 2 की दमदार भूमिका मेरे लिए वरदान थी : अदिति शेट्टी

मुंबई। अभिनेत्री अदिति शेट्टी राणा नायडू सीजन 2 में उग्र और निडर तस्नीम के रूप में दिल जीत रही हैं, यह एक ऐसी भूमिका है जिसने उनके करियर में एक बदलावकारी क्षण को चिह्नित किया है। लेकिन एक्शन, ताकत और शक्तिशाली स्क्रीन उपस्थिति की दुनिया में उनकी यात्रा सफलता से शुरू नहीं हुई - यह अस्वीकृति से शुरू हुई। मैंने मंदिरा के किरदार के लिए राणा नायडू सीजन 1 के लिए ऑडिशन दिया था, लेकिन मुझे यह किरदार नहीं मिला। इसलिए जब सीजन 2 आया, तो मैं बिना ज्यादा सोचे-समझे बस इसे आजमाना चाहती थी अदिति याद करती हैं मुझे बताया गया कि यह नया किरदार शो की सबसे मजबूत महिला किरदारों में से एक है - एक युवा महिला जो राणा के सामने खड़ी होती है, उसके साथ एक उचित आमना-सामना करती है, और अंत में उसका सम्मान अर्जित करती है। इस किरदार ने मुझे आकर्षित किया तस्नीम का किरदार निभाना सिर्फ अभिनय के बारे में नहीं था। इसके लिए पूरी तरह से शारीरिक और मानसिक बदलाव की जरूरत थी। अदिति बताती हैं, तस्नीम एक स्टंटवुमन है, इसलिए मेरा शरीर वैसा ही दिखना चाहिए। मैं हमेशा से ही फि टनेस में दिलचस्पी रखती रही हूँ, लेकिन मैंने मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए स्ट्रेंथ ट्रेनिंग शुरू की। मैंने बहुत ज्यादा वजन घटाए बिना स्ट्रेंथ हासिल करने के लिए अपने आहार में भी बदलाव किए जब वह पहली बार निर्देशकों, करण अंशुमान और सुपर्ण वर्मा से मिलीं, तो किरदार के लिए उनका नजरिया तुरंत स्पष्ट हो गया। रहमने इस किरदार के लिए मेरे लुक में बदलाव पर चर्चा की, क्योंकि तस्नीम एक छोटे शहर की, असभ्य, कच्ची लड़की है जो पुरुषों से भरे एक स्टंट स्टूडियो में काम करती है। पोशाक टैंक टॉप और ढीले पतलून होगी - सामान्य लड़कियों के कपड़े नहीं। चरित्र स्पोर्टी और फिट होगा अदिति के लिए सबसे बड़े पलों में से एक शो के लीड राणा दग्गुबाती के साथ टकराव वाला सीन था।

स्टॉक मार्केट में एलनबेरी की जोरदार एंट्री, लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से लगा अपर सर्किट

आईपीओ निवेशकों को 35.30 प्रतिशत का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडस्ट्रियल और मेडिकल गैस का प्रोडक्शन और सप्लाई करने वाली कंपनी एलनबेरी इंडस्ट्रियल गैसेज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री कर-के अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 400 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 492 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 486 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 23 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन मिल गया। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से इस शेयर के भाव में और तेजी आ गई। दोपहर 12 बजे के बाद कंपनी के शेयर लगातार हो रही लिवाली के कारण 541.20 रुपये के अपर सर्किट पर पहुंच गए और इसी स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 35.30 प्रतिशत का फायदा हो गया। एलनबेरी इंडस्ट्रियल गैसेज का 852.53 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 26 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 22.19 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 64.23 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 15.21 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.14 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 400 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 1,13,13,130 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज को चुकाने, नया एयर सेपरेशन यूनिट सेटअप करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 28.14 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 45.29 करोड़ रुपये और 2024-25 में 83.29 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

खास खबर

किशोर जेना नीरज चोपड़ा क्लासिक से बाहर

बेंगलुरु। भारतीय भाला फेंक एथलीट किशोर जेना टखने की चोट के चलते नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह अब यशवीर सिंह को प्रतियोगिता में शामिल किया गया है। आयोजकों ने सोमवार को उक्त जानकारी दी। किशोर जेना ने पिछले साल हांगझो एशियन गेम्स में नीरज चोपड़ा के पीछे दूसरा स्थान हासिल किया था, जहां उन्होंने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 87.54 मीटर भाला फेंका था। वे शुरूआती पांच भारतीय प्रतिभागियों में शामिल थे, जिनमें सचिन यादव, रोहित यादव और साहिल सिलवाल भी शामिल हैं। जेना की गैरमौजूदगी में अब यशवीर सिंह को टीम में जगह दी गई है। यशवीर इस समय पुरुषों की भाला फेंक रैंकिंग में 41वें स्थान पर हैं और उन्होंने 2025 एशियन चैंपियनशिप (गुमी, कोरिया) में 82.57 मीटर की थ्रो कर अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था।

दूसरे टेस्ट में आर्चर को नहीं मिली जगह

लंदन । इंग्लैंड ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए कोई बदलाव नहीं किया है। बेन स्टोक्स की कप्तानी में दूसरे टेस्ट में वही टीम उतरेगी जिसने पहले टेस्ट में भारतीय टीम को पांच विकेट से हराया था। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की इस मैच से वापसी की उम्मीदें थीं पर वह गलत साबित हुई। आर्चर को अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली है। दूसरा टेस्ट बुधवार से बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेला जाएगा। इंग्लैंड की टीम पहले टेस्ट में जीत के कारण पांच मैचों की इस सीरीज में 1-0 से आगे है। उंगली की चोट से उबरने के बाद इंग्लैंड की टीम में शामिल किए गए आर्चर निजी कारणों से एजबेस्टन में सोमवार के अभ्यास सत्र में भी शामिल नहीं किये गये थे। वहीं जोश टंग, ब्रायडन कार्स और क्रिस वोक्स को तेज गेंदबाज के तौर पर टीम में बनाये रखा गया है। वहीं माना जा रहा है कि भारतीय टीम इस मैच में बदलाव के तौर पर उतरते हुए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम देगी।

आयुष ने जीता बीडब्ल्यूएफ बैडमिंटन खिताब

आयोवा । भारत के आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन सुपर 300 बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर बैडमिंटन खिताब जीता है। 20 साल के आयुष ने पुरुष एकल फाइनल में कनाडा के ब्रायन यांग को सीधे गेमों में हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब जीता है। । आयुष की इस जीत के भारत को लंबे समय के बाद विश्व टूर में कोई खिताब मिला है। विश्व जूनियर चैंपियनशिप 2023 में कांस्य पदक विजेता रहे आयुष ने तीसरी वरीयता प्राप्त कनाडा के यांग को 47 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-13 से हराया। इससे पहले आयुष ने सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के चोऊ टिएन चेन को हराया था। ब्रायन के खिलाफ यह आयुष की यह तीसरी जीत है। इस भारतीय खिलाड़ी ने इस साल की शुरूआत में मलेशिया और ताइपे ओपन में भी इस कनाडाई खिलाड़ी को दो बार हराया था। वहीं महिला एकल के फाइनल में भारत की 16 वर्षीय तन्वी शर्मा को फाइनल में हार के बाद दूसरा स्थान मिला है। तन्वी को अमेरिका की बेइवेन झांग के खिलाफ तीन गेम तक चले मुकाबले में 11-21, 21-16, 10-21 से हार का सामना करना पड़ा।

अल-हिलाल ने मैनचेस्टर सिटी को 4-3 से हराया

एजेंसी

ओरलैंडो। सऊदी अरब के क्लब अल-हिलाल ने फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 में अब तक का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए सोमवार (भारतीय समयानुसार मंगलवार) को मैनचेस्टर सिटी को एक्स्ट्रा टाइम में 4-3 से हराकर प्रतियोगिता से बाहर कर दिया। इस जीत के साथ अल-हिलाल ने क्वार्टरफाइनल में ब्राजील के फ्लूमिनेंस के खिलाफ मुकाबले में जगह बना ली है। मैच का निर्णायक गोल मार्कोस लियोनार्डो ने 112वें मिनट में किया, जो उनका मैच का दूसरा गोल था। इससे पहले सिटी ने 9वें मिनट में बर्नार्डो सिल्वा के गोल से बढ़त बनाई थी। दूसरे हाफ की शुरूआत में ही छह मिनट के भीतर अल-हिलाल ने दो गोल दाग दिए।

लियोनार्डो और माल्कम ने तेजी से दो हमले कर टीम को आगे कर दिया। हालांकि 55वें मिनट में एरलिंग हालैंड ने बराबरी का गोल कर सिटी को मुकाबले में वापस ला दिया। मैच के नियमित समय में स्कोर 2-2 रहने के बाद मुकाबला एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा। 94वें मिनट में कालीदू कूलिबाली ने रूबेन नेवेस के कॉर्नर पर हेडर से गोल कर अल-हिलाल को फिर से बढ़त दिला दी। फिल फोडेन ने रयान चेरकी के पास पर शानदार फर्स्ट-टाइम वॉली लगाकर सिटी के लिए स्कोर फिर बराबर किया। लेकिन अल-हिलाल ने हार नहीं मानी। 112वें मिनट में लियोनार्डो ने मिलिंकोविच-सावित्च के हेडर पर एडरसन द्वारा बचाए गए शॉट के रिबाउंड को गोल में बदल दिया और टीम को जीत की राह दिखा दी। सिटी का पहला गोल रेनन लॉडी की क्लियरेंस के बाद बर्नार्डो सिल्वा के पैरों में आया, जिन्होंने पास से गेंद को नेट में डाला। हालांकि रिप्ले में यह साफ दिखा कि इस मूव के दौरान रयान एत-नूरी के हाथ से गेंद हल्की सी टकराई थी, लेकिन रेफरी ने अल-हिलाल के विरोध को खारिज कर दिया। अल-हिलाल के गोलकीपर यासीन बुनू ने पहले हाफ में मैनचेस्टर सिटी के कई हमलों को नाकाम कर दिया और टीम को मैच में बनाए रखा। यही नहीं, उन्होंने पूरे मैच में कई बार क्लच सेव किए। मैच के बाद कूलिबाली ने कहा, ह्लहम जानते थे कि ये मुकाबला दुनिया की सबसे बेहतरीन टीमों में से एक के खिलाफ है। हमने अपना टैलेंट और टीम की ताकत दिखाने की कोशिश की और हम बहुत खुश हैं कि हमने यह जीत हासिल की। अब अल-हिलाल की टीम का सामना क्वार्टरफाइनल में ब्राजील के फ्लूमिनेंस से होगा, जो इस मुकाबले के बाद और भी ज्यादा दिलचस्प हो गया है।

डीपीएल के दूसरे सीजन में शामिल हुई दो नई टीमें

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने मंगलवार को दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के दूसरे सीजन के लिए दो नई पुरुष टीमों की घोषणा की। इस विस्तार के साथ अब डीपीएल में पुरुष टीमों की कुल संख्या 6 से बढ़कर 8 हो गई है, जो इसे देश की सबसे तेजी से उभरती घरेलू टी20 लीग्स में से एक बना रही है। आउटर दिल्ली फ्रेंचाइजी को 10.6 करोड़ रुपये में सविता पेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के नेतृत्व वाले समूह ने खरीदा है, जबकि न्यू दिल्ली फ्रेंचाइजी को 9.2 करोड़ रुपये में भीमा टोलिंग एंड ट्रैफिक सोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड और क्रेयॉन एडवरटाइजिंग लिमिटेड के समूह ने अपने नाम किया है। अब ये दो

टीमें मौजूदा छह फ्रेंचाइज़ियों–सेंट्रल दिल्ली किंग्स, ईस्ट दिल्ली राइडर्स, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स, पुरानी दिल्ली 6, साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज. और वेस्ट दिल्ली लॉयंस–के साथ जुड़कर 2025 संस्करण में हिस्सा लेंगी। सीजन 2 का खिलाड़ी ऑक्शन 6 और 7 जुलाई को राजधानी दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। इस बार डीपीएल नीलामी में 10 से अधिक आईपीएल खिलाड़ी शामिल होंगे।

टी-20 में तीसरे स्थान पर पहुंचीं स्मृति मंधाना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना को इंग्लैंड के खिलाफ नॉटिंघम में खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में शानदार शतक लगाने के बाद आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग में महत्वपूर्ण बढ़त मिली है। यह ताजा रैंकिंग मंगलवार को जारी की गई। स्मृति मंधाना ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में 62 गेंदों में 112 रन की धमाकेदार पारी खेलकर भारत को 97 रनों से बड़ी जीत दिलाई। इस प्रदर्शन की बदौलत मंधाना ने टी20 रैंकिंग में एक स्थान की छलांग लगाई है और अब वह तीसरे स्थान पर

पहुंच गई हैं। उनसे आगे अब सिर्फ ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी और वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज हैं। मंधाना के अब 771 रेटिंग अंक हैं, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग है। इसी मैच में इंग्लैंड की तेज गेंदबाज लॉरेन बेल ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन विकेट चटकाए। इसके चलते वह दो स्थान ऊपर चढ़कर टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं। भारत की डेब्यूटेंट श्री चारणी, जिन्होंने अपने पहले ही मैच में चार विकेट लेकर इंग्लैंड को इस फॉर्मेट में अब तक की सबसे बड़ी हार झेलने पर मजबूर किया, ने भी रैंकिंग में एंट्री कर ली है। वह 450वें स्थान पर शामिल हुई हैं। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में शैफाली वर्मा को टी20 रैंकिंग में एक स्थान का फायदा हुआ है और अब वह 13वें स्थान पर पहुंच गई हैं। हरलीन देओल ने 23 गेंदों में 43 रन की तेजतर्रार पारी खेलने के बाद 86वें स्थान के साथ टी20 रैंकिंग में दोबारा प्रवेश किया है। इंग्लैंड की कप्तान नैट स्किवर-ब्रंट, जो अपनी टीम के लिए बल्लेबाजी में अकेली मजबूत कड़ी रहीं, ने 42 गेंदों में 66 रन की पारी खेली।

स्मिथ को दूसरे टेस्ट के लिए वापसी की उम्मीद

एजेंसी

ब्रिजटाउन । ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को उम्मीद है कि वह वेस्टइंडीज के खिलाफ ग्रेनेडा में होने वाले दूसरे टेस्ट तक फिट हो जाएंगे। स्मिथ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान उंगली में लगी चोट के बाद से ही खेल से दूर हैं। इसी कारण वह वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट भी नहीं खेल पाये हैं। स्मिथ अब अपनी चोट से उबर गये हैं और नंबर 4 पर खेलने की तैयारी में लगे हैं। वह अपनी टीम के साथ भी जुड़ गये हैं। उनके अब अभ्यास सत्र में भी शामिल होने की संभावना है। जिससे वह अपनी लय हासिल कर सकें।

स्मिथ को उनकी चोटिल उंगली के लिए एक पतली पट्टी लगाई जाएगी जिससे वह स्लिप में फील्डिंग नहीं कर पाएंगे पर बल्लेबाजी करते समय उन्हें शायद ही कोई परेशानी हो। स्मिथ ने कहा, मेरे लिए, यह सामान्य प्रशिक्षण की तरह ही महसूस होगा। मुझे वास्तव में कोई दर्द या कुछ भी महसूस नहीं होता है और पट्टी से भी अधिक परेशानी नहीं हो रही है हालांकि स्लिप की जगह पर अन्य जग हों पर फील्डिंग करना उनके लिए अजीब होगा। स्मिथ की ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी का मतलब है कि रिजर्व बल्लेबाज जोश इंगलिस को बाहर बैठना होना पड़ेगा। जोस पहले टेस्ट में केवल 5 और 12 रन ही बना पाये थे। ऐसे में उनका बाहर होना तय है। उनके अलावा सैम कोंस्टास और नंबर 3 कैमरून ग्रीन भी असफल रहे थे। स्मिथ को उम्मीद है कि वह शीर्ष क्रम में फिर वापसी कर सकेंगे।

पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी विमल लकड़ा की हालत गंभीर

रांची। पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी विमल लकड़ा की स्वास्थ्य स्थिति गंभीर बनी हुई है। उनके सिर में गहरी चोट आयी है। उन्हें बेहतर इलाज के लिए सिमडेगा से रांची रेफर किया गया है। फिलहाल रांची के क्यूरेस्टा अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। इस संबंध में बताया गया कि विमल लकड़ा बीते कुछ दिनों से सिमडेगा स्थित अपने पैतृक गांव में ही थे। जहां खेत में वे अचानक गिरकर बेहोश हो गये। सिमडेगा सदर अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें रांची रेफर कर दिया। बताया गया है कि उनके सिर में खून के थक्के जम गये हैं। फिलहाल रांची के क्यूरेस्टा अस्पताल के आईसीयू में उनका इलाज चल रहा है।

श्रेयस घर की गैलरी में क्रिकेट खेलते दिखे

मुम्बई। आईपीएल के इस सत्र में पंजाब किंग्स की कप्तानी करने वाले बल्लेबाज श्रेयस अय्यर का घर की गैलरी में मां के साथ क्रिकेट खेलने का एक प्यारा वीडियो आया है , इसमें श्रेयस मां की गेंदबाजी पर बोल्ड होते दिख रहे हैं। ये वीडियो पंजाब किंग्स ने साझा किया है। इससें लिखा है, केवल प्रकार से बोल्ड होने पर श्रेयस को बुरा नहीं लग रहा होगा। इस वीडियो पर प्रशंसकों ने भी कई मजेदार कॉमेंट्स किए हैं। एक ने लिखा है, गेंद हो या चप्पल, मां का निशाना कभी गलत नहीं होता। सोशल मीडिया में साझा किए गए इस वीडियो में दिख रहा है कि श्रेयर घर की गैलरी में बल्लेबाजी कर रहे हैं और गेंदबाजी उनकी मां के हाथों में है। पहली गेंद फुल टॉस और अय्यर उसे खेलने में सफल होते हैं पर दूसरी गेंद पर वह विफल हो जाते हैं।

फ्लूमिनेंस ने इंटर मिलान को 2-0 से हराया

एजेंसी

शार्लोट। ब्राजील की क्लब टीम फ्लूमिनेंस ने क्लब वर्ल्ड कप 2025 में एक और बड़ा उलटफेर करते हुए मंगलवार (भारतीय समानुसार) चैम्पियंस लीग की उपविजेता इंटर मिलान को 2-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। यह टूनार्मेंट के सबसे चौंकाने वाले नतीजों में से एक माना जा रहा है। 32 टीमों वाले नए फॉर्मेट वाले इस टूनार्मेंट में फ्लूमिनेंस को शुरूआत में सिर्फ 0.05% मौका दिया गया था खिताब जीतने का और यह माना जा रहा था कि टीम ग्रुप स्टेज से बाहर हो जाएगी। लेकिन रेनेटो गाउचो की कोचिंग में इस टीम ने बोरुसिया डॉर्टमंड और मामेलोडी सनडाउंस को ड्रॉ पर रोका और उल्सान ह्युंडई को हराकर ग्रुप एफ

में दूसरा स्थान हासिल कर नॉकआउट में जगह बना ली। इंटर मिलान के खिलाफ मैच में कोलंबियाई विंगर जॉन आरियास और स्ट्राइकर जर्मन कैनो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को जीत दिलाई। आरियास पूरे मैच में दाईं ओर से जबरदस्त आक्रमण करते रहे और उन्हें टूनार्मेंट के मोस्ट वैल्यूबल प्लेयर (एमवीपी) दावेदारों में गिना जा रहा है।जर्मन कैनो, जो हाल ही में चोटों से जूझ रहे थे, उन्होंने अमेरिका में दोबारा अपनी लय पा ली है और लगातार टीम के लिए निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। मैच के बाद फ्लूमिनेंस के कोच रेनेटो गाउचो, जो खुद क्लब के पूर्व दिग्गज स्ट्राइकर रहे हैं, ने कहा, ह्इंटर मिलान एक महान टीम है, जिनके पास हमसे कहीं ज्यादा संसाधन हैं। लेकिन मैदान पर मुकाबला 11 खिलाड़ियों का होता है। हमारी टीम ने पूरा विश्वास, मेहनत और अनुशासन दिखाया। उन्होंने आगे कहा, ह्लमैंने खिलाड़ियों से कहा कि हम चाहे कम समय में एकजुट हुए हों, लेकिन अगर आप इस प्लान पर भरोसा रखेंगे तो ये कारगर साबित होगा। और उन्होंने करके दिखाया। 40 वर्षीय कप्तान थियागो सिल्वा (पूर्व पीएसजी और चेल्सी) की अगुआई में फ्लूमिनेंस की डिफेंस काफी मजबूत दिखी। 44 साल के अनुभवी गोलकीपर फाबियो ने भी कई अहम सेव किए और पूरे टूनार्मेंट में अब तक टीम की डिफेंस मजबूत रही है। अब फ्लूमिनेंस का सामना सऊदी अरब के अल-हिलाल से होगा, जिसने पहले ही मैनचेस्टर सिटी को बाहर कर दिया है। इस मैच को लेकर पूरी ब्राजील टीम में जोश है।

मुंबई से क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे यशस्वी जायसवाल

एजेंसी

मुंबई। भारतीय युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल आगामी 2025-26 घरेलू सत्र में मुंबई की ओर से ही खेलते नजर आएंगे। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने उनके गोवा जाने के लिए जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) को वापस लेने के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। एमसीए अध्यक्ष अजिक्य नाइक ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ह्यशस्वी हमेशा से मुंबई क्रिकेट की एक गौरवशाली उपज रहे हैं। हमने उनके एनओसी वापसी के आवेदन को स्वीकार कर लिया है और वह आगामी घरेलू सत्र में मुंबई के लिए उपलब्ध रहेंगे। इस साल अप्रैल में जायसवाल ने गोवा के लिए खेलने

के इरादे से एनओसी मांगी थी, जिसे एमसीए ने चौंकाने वाला कदम बताया था। हालांकि, एक महीने बाद उन्होंने पुनः एमसीए को पत्र लिखकर बताया कि वह अपने परिवार के साथ गोवा स्थानांतरित होने का विचार कर रहे थे, लेकिन अब उन्होंने वह योजना बदल दी है और वे मुंबई के लिए ही खेलना चाहते हैं। 23 वर्षीय जायसवाल ने अंडर-19 स्तर से ही मुंबई का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने 2019 में मुंबई के लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पदार्पण किया था और अब तक 10 प्रथम श्रेणी मैचों में 53.93 की औसत से 863 रन बनाए हैं। इसमें उनके चार शतक, दो अर्द्धशतक और उत्तर प्रदेश के खिलाफ 181 रन की सर्वश्रेष्ठ पारी शामिल है। हाल ही में समाप्त हुए घरेलू सत्र में उन्होंने जम्मू-कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में मुंबई की ओर से भाग लिया था, हालांकि टीम को उस मैच में हार का सामना करना पड़ा। वह विदर्भ के खिलाफ सेमीफाइनल में खेलने वाले थे, लेकिन अभ्यास के दौरान टखने की चोट के चलते बाहर हो गए।

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में शतक के साथ ही रिकार्ड बनाएंगे ऋषभ

एजेंसी

बर्मिंघम। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के पास इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में एक बड़ा रिकार्ड बनाने का अवसर है। इस मैच में शतक बनाते ही वह इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैचों में शतक के मामले में पूर्व कप्तानी मोहम्मद अजहरुद्दीन के साथ संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। इस शतक के साथ ही ऋषभ इंग्लैंड के खिलाफ शतक के मामले में विराट कोहली को भी पीछे छोड़ देंगे। अभी विराट और ऋषभ पांच शतक लगाकर बराबरी पर हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा शतकों के मामले में पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ और सचिन तेंदुलकर ने सबसे अधिक 7-7 शतक लगाए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर 6 शतक लगाकर अजरुद्दीन है जबकि तीसरे स्थान पर 5-5 शतक लगाकर विराट और ऋषभ हैं। ऋषभ ने पहले टेस्ट की दोनो ही परियों में शतक लगाकर दिया दिया है कि वह शानदार लय में हैं। पहले टेस्ट में उन्होंने आक्रामक के साथ ही रक्षात्मक खेल भी दिखाया था। वह दोनो परियों में शतक लगाने वाले भारत के पहले विकेटकीपर बल्लेबाज हैं। उनकी बल्लेबाजी से मेजबान टीम के बल्लेबाज परेशान दिखे। ब उनका लक्ष्य इसी सिलसिले को बनाये रखना रहेगा। ये विकेटकीपर बल्लेबाज विदेशी धरती पर खासा सफल रहा है।

दूसरे टेस्ट में बराबरी के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

एजेंसी

बर्मिंघम। भारतीय भारतीय क्रिकेट टीम यहां बुधवार से मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को पहले टेस्ट में पांच शतक लगाने के बाद भी खराब फील्डिंग के कारण हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में अपनी कमजोरियों को दूर करना रहेगा। पहले टेस्ट में भारतीय टीम की ओर से तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ही सफल रहे थे। वहीं अन्य गेंदबाज विफल रहे थे जिसका भी नुकसान उसे उठाना पड़ा था। पांच मुकाबलों की सीरीज का पहला मैच हारने के बाद भारतीय टीम 1-0 से पीछे हैं। ऐसे में उसके लिए यह मुकाबला बेहद अहम है। उसे सीरीज में बराबरी के लिए इसे जीतना ही

होगा। इस मैच के लिए मेजबान टीम ने कोई बदलाव नहीं किया है। वहीं भारतीय टीम बदलावों के साथ उतरेगी पर क्या बदलाव होंगे ये मैच से पहले ही पता चलेगा क्योंकि भारतीय टीम ने अभी तक अपने अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों की घोषणा नहीं की है। भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज बुमराह को इस मैच में आराम दिया जाना है। ऐसे में उनकी जगह पर बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह या आकाशदीप सिंह को शामिल किया जा सकता है। वहीं ऑलराउंडर स्थान कुलदीप यादव को अवसर मिलने की संभावना नहीं है। ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर पहले टेस्ट में प्रभावित नहीं कर पाये थे, ऐसे में उनकी जगह युवा नीतीश कुमार रेड्डी को भी टीम में शामिल किय जा सकता है। बर्मिंघम में गर्म मौसम और सूखी पिच को देखते हुए इसमें स्पिनरों को सहायता मिल सकती है। ऐसे में भारतीय टीम दो स्पिनरों को अंतिम ग्यारह में जगह दे सकती है। ऐसे में अनुभवी रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव और वॉशिंगटन सुंदर में से दो को टीम में जगह मिल सकती है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसर टीम प्रबंधन कुलदीप की जगह वॉशिंगटन सुंदर को शामिल कर सकता है। एजबेस्टन क्रिकेट मैदान की बात करें, तो मैच की शुरूआत में पिच से गति और उछाल हासिल हो सकता है। ऐसे में सलामी बल्लेबाजों के लिए तेज गेंदबाजों का सामना करना आसान नहीं होगा। शुरूआत के दो दिन भले ही ड्यूक गेंद से तेज गेंदबाजों को मदद मिलेगी, लेकिन तीसरे और चौथे दिन पिच बल्लेबाजी के लिए आसान हो सकती है। अगर बादल छाए रहे, तो तेज गेंदबाजों को मदद मिलेगी। यहां मुकाबले के दूसरे और तीसरे दिन पिच नरम हो जाती है, जबकि चौथे और पांचवें दिन पिच पर दरारें और खुरदरे पैच नजर आने लगते हैं, जिससे स्पिनरों को सहायता मिलती है। मौसम विभाग के अनुसार मैच के पहले दिन बारिश की आशंका है। यहां खेल शुरू होने से पहले मौसम खराब हो सकता है। वहीं दूसरे दिन बीच-बीच में बादल आने की आशंका है। मुकाबले के तीसरे दिन बादल छाए रह सकते हैं। चौथे-पांचवें दिन बारिश के कारण खेल में आ सकती है बाधा आ सकती है। आंकड़ों पर नजर डालें तो इस मैच में इंग्लैंड का पलड़ा भारी है। इसका कारण है कि एजबेस्टन के इस मैदान पर भारतीय टीम आज तक नहीं जीती है। इस मैदान पर दोनो टीमों के बीच आठ मैच खेले हैं।

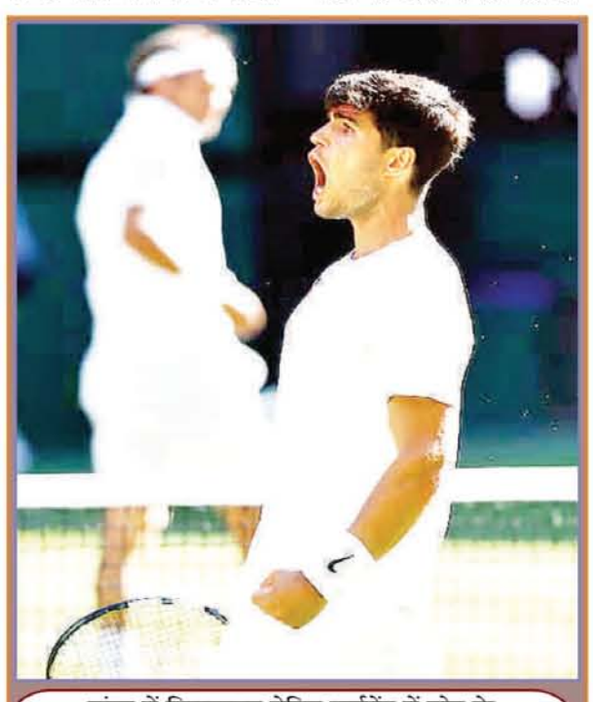

लंदन में विम्बलडन टेनिस टूर्नामेंट में स्पेन के कार्लोस अल्कारेज इटली के फेबिनो फोगिनी के खिलाफ पहले दौर के मैच में खेलते हुए।

कई बिमारियों में कारगार है ऑलिव ऑयल

ऑलिव ऑयल एक बहुत ही कारगर घरेलू उपाय है। इसमें भरपूर मात्रा में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण की मौजूदगी श्वसन तंत्र को सुचारू बनाने में फायदेमंद होती है। साथ ही यह दर्द को कम करने में मदद करता है। एक आधा छोटी चम्मच ऑलिव ऑयल में सामान मात्रा में शहद मिलाकर, सोने से पहले नियमित रूप से लें। गले में कंपन को कम करने और खर्राटों को रोकने के लिए नियमित रूप से इस उपाय का प्रयोग करें।

धूम्रपान से मुंह की बीमारियों का खतरा क्यों!

सिगरेट पीने से न सिर्फ कुछ जीवाणु मुंह में जमा हो जाते हैं, बल्कि वे शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र पर भी हावी हो जाते हैं, जिसके कारण मुंह संबंधी कई बीमारियां हो सकती हैं। ये जीवाणु दांत, हृदय वॉल्व और धमनियों में बायोफिल्म्स का निर्माण करते हैं। बॉयोफिल्म कई सारी सूक्ष्म जीवाणुओं से मिलकर बनी जटिल संरचना होती है। इसके कारण कई अन्य नई समस्याएं भी पैदा हो जाती है।

डॉक्टर की सलाह के बिना पैरासीटामॉल लेने से हो सकती हैं ये बीमारियां

सिर में मामूली सा दर्द हुआ नहीं कि रीमा ने पैरासीटामॉल की गोली गटक ली। रीमा हीं नहीं बल्कि रीमा की तरह बहुत से लोग ऐसा हीं करते हैं। लोगों को सेल्फ मेडिकेशन एक आसान, सस्ता और कम समय में होने वाला उपाय लगता है। लेकिन कम समय में मिलने वाली राहत जल्द ही स्थायी आदत में तब्दील हो जाती है और शरीर कई बीमारियों की चपेट में आ जाता है। माना कि पैरासीटामॉल एक ऐसी दर्दनिवारक दवा है जिसे दर्द होने पर समान्य लोगों के साथ-साथ गर्भवती महिलाएं भी आसानी से ले लेती है। और अधिक नुक्सानदेह ना होने कारण भारतीय मेडीकल दुकानों पर यह दवा बिना डॉक्टर की स्लिप आसानी से ली जा सकती हैं। लेकिन डॉक्टरी सलाह के बिना मामूली बुखार से परेशान होने पर भी आप पैरासीटामॉल की गोली ले लेते हैं और ऐसा आप कई सालों से करते आ रहे हैं, तो सावधान हो जाये। क्योंकि हर बार मामूली से दर्द या बुखार में पैरासीटामॉल लेना फायदे से ज्यादा नुकसानदेह हो सकता है। इसके अधिक इस्तेमाल से शरीर के कई अंगों को नुकसान हो सकता है। आइए जानें बिना डॉक्टर की सलाह के बिना पैरासीटामॉल लेना शरीर के लिए कैसे नुकसानदेह होता है। क्या आपने कभी भी दवा के पैकेट पर लिखा देखा हैं कि ज्यादा मात्रा में पैरासीटामॉल लेना लीवर को नुकसान पहुंचा सकता है। जीं हां डॉक्टरों का कहना है कि एक व्यक्ति को एक दिन में 3 ग्राम से ज्यादा पैरासीटामॉल नहीं लेनी चाहिए और अगर किसी कारणवश लेनी भी पड़े तो पहले अपने डॉक्टर से पूछ लेना चाहिए।

गर्भवती और बच्चों के लिए नुकसानदेह: आपको यह जानकर भी हैरानी होगी कि गर्भवती के लिए सुरक्षित मानी जाने वाली पैरासीटामॉल अगर बिना जांच के गर्भवती को दी जाती है तो सुरक्षित समझे जाने वाली पैरासीटामॉल की गोली गर्भ में पल रहे बच्चे के पूर्ण विकास में रुकवाट पैदा कर सकती है। नेशनल हेल्थ सर्विस के अनुसार गर्भवती को बिना डॉक्टरी सलाह के पैरासीटामॉल नही लेनी चाहिए।

किडनी पर असर: दर्द निवारक दवा के रूप में पैरासीटामॉल का लंबे समय तक सेवन करना बहुत हानिकारक है। बिना डॉक्टरी सलाह के पीठ दर्द के लिए इसे लेने पर यह लाभ के बजाए नुकसान पहुंचाती है। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी के शोधकर्ताओं के अनुसार आस्टियोआर्थराइटिस एवं पीठ दर्द को कम करने के लिए लोग पैरासीटामॉल का इस्तेमाल आसानी से करते हैं, पर इसका किडनी पर असर पड़ता है।

अस्थमा की समस्या: हल्का सा बुखार होने पर ही हम अपने बच्चे को पैरासीटामॉल देने लगते हैं। लेकिन कई शोधों से ये बात साबित हुई है कि 6-7 साल की उम्र में बच्चों को पैरासीटामॉल देने से उनके शरीर में अस्थमा के लक्षणों को बढ़ावा मिलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का भी मानना है कि बच्चों को 101.3 एस्न बुखार होने पर ही पैरासीटामॉल देनी चाहिए।

पेट में गैस की समस्या और त्वचा पर एलर्जी : कई मामलों में तो पैरासीटामॉल का अधिक सेवन पेट में गैस की समस्या पैदा कर सकता है। तो अगर आप अपच या पेट में भारीपन से परेशान हैं तो हो सकता है कि ऐसा पैरासीटामॉल के सेवन से हो रहा हो। इसके अलावा कुछ लोगों को पैरासीटामॉल के अधिक सेवन करने से त्वचा पर लाल चकत्ते और एलर्जी हो जाती है, जिसमें खुजली या जलन भी होती है।

लीवर को नुकसान: अगर आप पीलिया या लीवर संबंधी किसी समस्या से पीड़ित हैं, तो डॉक्टर की सलाह लिए बिना पैरासीटामॉल खाने से लीवर डैमेज हो सकता है। कई मामलों में लीवर फेलियर के भी चांस होते हैं। इसलिए दवा को लेने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर ले लें।

सुस्ती महसूस होना: इसके अलावा कई बार पैरासीटामॉल लेने के बाद बहुत ज्यादा सुस्ती महसूस होती है। तो ऐसे में डॉक्टर से सलाह जरुर लें।

आंखों के दर्द से जुड़ी खास बातें

बहुत से लोग अपनी आंखों को लेकर बहुत ही लापरवाह होते हैं और आंख में हल्के-फुल्के दर्द या समस्या को नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन ये आदत भारी पड़ सकती है और इससे कई समस्याएं हो सकती हैं।

आंखों में दर्द के कारण

आंखे अनमोल हैं और शायद इसलिए ही ये शरीर का सबसे नाजुक और महत्वपूर्ण अंग हैं। आंखे जितनी अनमोल हैं, इनको देखभाल की भी उतनी ही जरूरत होती है। बहुत से लोग अपनी आंखों को लेकर बहुत ही लापरवाह होते हैं, और आंख में हल्के-फुल्के दर्द या समस्या को नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन आपकी ये आदत भारी पड़ सकती है। तो आंखों के दर्द को नज़रअंदाज न करें और जानें कि आंख में क्यों दर्द हो रहा है।

ऊपरी सतह पर दर्द

कई बार आपकी आंख की ऊपरी सतह पर दर्द होता है, और आपको इससे आंख में जलन, और खुजली भी महसूस होती है। यह अक्सर तब होता है जब आपको आंख में कोई चोट लगी हो। इस तरह का दर्द होने पर आप डाक्टर की सलाह पर आई ड्राप का इस्तेमाल कर सकते हैं।

भीतरी भाग में दर्द

आंखों के भीतरी भाग में दर्द होने पर आप अपनी आंखों में स्पंदन और किरकिरेपन जैसा महसूस करते हैं। इस तरह की स्थिति तुरंत में डॉक्टर से मिले क्योंकि यह किसी गंभीर चोट की वजह से होने वाला दर्द हो सकता है।

गंदगी की वजह से होने वाला दर्द

धूल मिट्टी से होने वाले दर्द से आंखों में खुजली होती है और वे लाल हो जाती है। इससे बचने के लिए सबसे बढ़िया तरीका है आंखों पर ठंडे पानी की छिटे मार कर इन्हें धोएं। इससे आंखों की गंदगी साफ हो जाएगी। आंखों पर हाथ न लगाएं।

चोट की वजह से आंख में दर्द

चोट लगने पर आंखों को सबसे ज्यादा हानि पहुंचती है। आंखों में जलन या बहुत तेज दर्द होना, इसका सबसे पहला लक्षण होता है। यह बहुत तेज रोशनी या सूरज की किरणों से भी हो सकता है।

गुहेरी

यह आमतौर पर आंखों के अंदरुनी भाग के किनारों पर होती है। ये आंख में किसी फुंसी के हो जाने जैसा होता है। ऐसे में आंख बेहद संवेदनशील हो जाती है और इसकी वजह से थोड़ा दर्द भी महसूस हो सकता है। इसके इलाज का सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसे छूएं नहीं, और अपने आप ठीक होने दें। बस आंख की साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें।

कॉंटेक्ट लेंस के कारण

जब आप हर समय कांटेक्ट लेंस पहने रहते हैं और इसे समय-समय पर साफ नहीं करते हैं तो इससे आंखों में जलन होने लगती है और कभी-कभी दर्द भी होता है। पुराने या इक्स्पाइरी कांटेक्ट लेंस पहने से आपकी आंखों में संक्रमण भी हो सकता है।

ग्लूकोमा के कारण

ग्लूकोमा यानी काला मोतिया एक गंभीर नेत्र रोग होता है। यह धीमी गति से आंखों को हानि पहुंचने वाली बीमारी है, इससे आंखों की ऑप्टिक नर्व को नुकसान होता है और यदि समय रहते इसका इलाज न किया जाए तो इससे आंखों की रोशनी भी जा सकती है।

उम्मीद की किरण है गर्भ प्रत्यारोपण

गर्भ प्रत्यारोपण उन हजारों महिलाओं के लिए उम्मीद की एक नई किरण है, जो गर्भधारण नहीं कर सकती। इस तकनीक के जरिए दूसरी महिला का गर्भ प्रत्यारोपित करके गर्भधारण कराया जाता है। यह उन महिलाओं के लिए वरदान की तरह है जो किसी बीमारी के कारण या गर्भ में समस्या के कारण मां बनने का सुख नहीं प्राप्त कर सकती हैं।

प्रत्यारोपण रहा सफल

गर्भ प्रत्यारोपण का प्रयास कई सालों से हो रहा है, लेकिन पहली बार सफलता प्राप्त की स्वीडन के चिकित्सकों ने। स्वीडन के डॉक्टरों ने अजूबा कर दिखाया। 36 साल की एक ऐसी महिला को मां बनने की खुशी दे दी, जिसके पास गर्भाशय ही नहीं था। यह मामला इसलिए भी खास है, क्योंकि दुनिया में पहली बार ऐसा हुआ है कि प्रत्यारोपित गर्भाशय से जन्म लेने वाला बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है।

पहले भी हुए प्रयास

इससे पहले भी गर्भाशय प्रत्यारोपण के जरिए कई प्रयास किए गए लेकिन कभी उन्हें शरीर ने स्वीकार नहीं किया तो उसे निकालना पड़ा तो कभी गर्भपात हो गया। 2000 में पहली बार सऊदी अरब में यूटरस ट्रांसप्लांट किया गया था। चार माह बाद ही महिला के शरीर ने ऑर्गन को रिजेक्ट कर दिया। आखिर उसे निकालना पड़ा। इसके बाद टर्की में कोशिश हुई। शरीर ने गर्भाशय तो स्वीकार कर लिया, लेकिन गर्भपात हो गया।

बच्चा है स्वस्थ

स्वीडन में पैदा हुआ बच्चा 1.8 किलो (3.9 पौंड) का है। प्रसव सिजेरियन के जरिए हुआ है। सात अन्य महिलाओं को भी इसी तरह यूटेरस ट्रांसप्लांट किए गए हैं। पांच अब भी गर्भवती हैं। डॉक्टर आशान्वित है कि जल्द ही और खुश-खबरें भी मिलेंगी।

समस्याएं भी आई

प्रत्यारोपित गर्भ से गर्भधारण के बीच में कई तरह की समस्याएं भी आईं। गर्भधारण के 31वें हफ्ते तक सबकुछ सामान्य रहा। इसके बाद महिला को हाई ब्लडप्रेशर से जुड़ी प्री-एक्लांपसिया बीमारी हो गई। बच्चे की हार्ट रेट भी असामान्य पाई गई। डॉक्टरों ने समय पूर्व डिलिवरी कराने का फैसला किया। लेकिन बाद में सबकुछ ठीक हो गया, लेकिन प्रसव सिजेरियन के जरिए हुआ।

महिला बीमारी से ग्रस्त थी

जिस महिला को गर्भ प्रत्यारोपण के बाद मां बनाया गया वह रॉकिटांस्की जेनेटिक सिंड्रोम से पीड़ित थी। 4500 में से किसी एक महिला को यह बीमारी होती है। महिला जब 15 साल की हुई तो पहली बार उसे इसका पता चला। महिला को उसकी 61 साल की पारिवारिक मित्र ने अपना यूटेरस दान किया। चिकित्सक तब हैरान रह गए जब 61 साल की इस महिला की कोख गर्भधारण के लिए टेस्ट में दुरुस्त पाई गई, जबकि सात साल पहले उसका मेनोपॉज बंद हो चुका था। यह उन महिलाओं के लिए एक नई उम्मीद की किरण की तरह है जो किसी परेशानी के कारण मां बनने में सफल नहीं हो पाती है।

किशमिश खाकर करें वजन कम

सूखे मेवे के सेवन से भी वजन को घटाया जा सकता है। इसमें किशमिश का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। इस बारे में विस्तार से जानने के लिए ये पढ़े। किशमिश को सूखे मेवे का राजा कहा जाता है। किशमिश का सेवन सीधे तौर पर वजन घटाने के लिए नहीं होता है लेकिन शरीर को स्वस्थ रखने में इसकी बड़ी भूमिका होती है। किशमिश को उसके पोषण तत्वों और स्वास्थ्य लाभों के कारण हीरा माना जाता है। किशमिश खाने से ब्लड बनता है, वायु, पित्त और कफ दोष दूर होता है।

एनर्जी देता है

किशमिश में मौजूद शर्करा शरीर में आसानी से पच जाती है। नतीजनत् शरीर को शक्ति और स्फूर्ति प्राप्त होती है। किशमिश पूरी तरह से कोलेस्ट्रॉल मुक्त होता है। किशमिश में घुलनशील फाइबर बहुत अधिक मात्रा में होता है। यह घुलनशील फाइबर बुरे कोलेस्ट्रॉल का विरोध करता है। इसके अलावा किशमिश पोलीफेनोल्स एंजाइम को भी दबाता है जो शरीर में कोलेस्ट्रॉल को अवशोषित के लिए जिम्मेदार होता है।

पाचन को ठीक रखता है

रोजाना किशमिश का सेवन करने से आपका हाजमा ठीक रहता है और पाचन तंत्र भी सुचारू रूप से कार्य करता है। किशमिश लैक्सटिव के रूप में कार्य करती है। यह पेट में जाकर पानी को अवशोषित करती है, जिसके फलस्वरूप कब्ज से राहत मिलती है। किशमिश में पाये जाने वाले फाइबर गैस्ट्रोइंटेस्टिनल मार्ग से विषाक्त और अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं।

हड्डियों को मजबूत करता है

मोटे लोगो की हड्डियां कमजोर होती है। शरीर का ज्यादा वजन भी हड्डियों को कमजोर और दुर्बल बनाता है। अगर आप वजन कम कर रहे हो तो सारे आहार वजन कम करने वाले नहीं लेने चाहिए, ये तरीका आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। आपको कुछ ऐसे आहार शामिल करने चाहिए जो आपको ऊर्जा दे सके। इसके लिए किशमिश सबसे बेहतर विकल्प है। अगर आप शक्कर बिल्कुल भी नहीं लेते हो तो भी किशमिश आपके शरीर में ग्लूकोज का स्तर बनाए रखती है। किशमिश कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

स्वस्थ रखता है

एक फिट व्यक्ति स्वस्थ रहता है। किशमिश सीधे तौर पर भले ही वजन कम करने में सहायक ना हो, लेकिन इससे मिलने वाले फासदे वजन को नियंत्रित करने में मदद करते है।

उदाहरण के तौर पर रोजाना किशमिश खाने वाले व्यक्ति को हृदय से जुड़ी परेशानियों का सामना कम करना पड़ता है। किशमिश आपके शरीर में पीएच स्तर को भी संतुलित रखता है। आवश्यक मात्रा में किशमिश का सेवन आपके इम्यूनिटी सिस्टम को भी मजबूत बनाता है।

रेसिपी

आलू कुरकुरे

सामग्री

1 कप उबले , छिले और मसले हुए आलू, 1/2 कप कटा हुआ पुदीना, 12 टेबल-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 टी-स्पून भुना हुआ ज़ीरा पाउडर, 1/2 टी-स्पून नींबू का रस, नमक स्वादअनुसार, 5 टेबल-स्पून मैदा, 5 टेबल-स्पून पोहा , दरदरा क्रश किया हुआ, तेल,
परोसने के लिए: स्वीट एण्ड सॉर सॉस

विधि

आलू, पुदीना, हरी मिर्च, ज़ीरा पाउडर, नींबू का रस और नमक को एक बाउल में अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को 6 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग के छोटे गोले बना लें। एक तरफ रखें। मैदा को थोड़े पानी के साथ मिलाकर गाढ़ा और मुलायम पेस्ट बनाकर एक तरफ रख दें। प्रत्येक आलू के बॉल को मैदा के पेस्ट में डुबोकर पोहे में अच्छी तरह से लपेट लें। एक गहरी कढ़ाई में तेल गरम करें, थोड़े-थोड़े आलू बॉल डालकर उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकाल लें। स्वीट एण्ड सॉर सॉस के साथ गरमा गरम परोसें।

कॉर्न एंड वेजिटेबल रोटी

सामग्री

1 कप मकई का आटा, 1/2 कप कसी हुई फूलगोभी, 1/2 कप बारीक कटी हुई मेथी, 1/4 कप बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1/2 कप उबले , छिले और कसे हुए आलू, 2 टी-स्पून तेल, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, नमक सवादअनुसार, मकई का आटा , तेल
परोसने के लिए: ताज़ा दही, अचार

विधि

मकई के आटे को छानकर, सभी सामग्री मिलाकर, ज़रुरत हो उतना गुनगुना पानी डालकर नरम आटा गूंथ लें। आटे को 7 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग को थोड़े सूखे मकई के आटे का प्रयोग कर 125 एमएम। (5) व्यास के गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और थोड़े तेल का प्रयोग कर प्रत्येक रोटी को दोनो तरफ सुनहरे दाग पड़ने तक पका लें। ताज़े दही और अचार के साथ तुरंत परोसें।

नानी ने शुरू की द पैराडाइज की शूटिंग

साउथ स्टार नानी की आगामी फिल्म 'द पैराडाइज' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। इस फिल्म को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं और फिल्म से जुड़ी हर एक अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। श्रीकांत ओडेला के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है।

नानी ने शुरू की शूटिंग

नानी की मच अवेटेड फिल्म 'द पैराडाइज' के फैंस के लिए खुशखबरी है। इस फिल्म की शूटिंग अब शुरू हो चुकी है। 21 जून से शुरू हुई फिल्म की शूटिंग में अब आज नानी भी शामिल हो गए हैं। आज नानी का शूटिंग पर पहला दिन था। बीते एक हफ्ते में टीम ने फिल्म की कहानी में बचपन के किरदारों से जुड़े हिस्से की शूटिंग की है। 'द पैराडाइज' नानी और निर्देशक श्रीकांत ओडेला की दूसरी फिल्म है। हैदराबाद में 40 दिन का शेड्यूल जारी है, जिसमें लीड कास्ट के साथ कुछ अहम सीन शूट किए जा रहे हैं।

मेकर्स ने शेयर की पोस्ट

मेकर्स की ओर से फिल्म से जुड़ी एक तस्वीर शेयर की गई है। सोशल मीडिया पर इस तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा गया है 'धगड़ आ गया है।' इस तस्वीर में किसी का चेहरा नहीं दिख रहा है। सिर्फ एक पैर दिख रहा है। जिसमें पैंट और काले जूते नजर आ रहे हैं। जूतों में एक ब्रेसलेट जैसा कुछ पड़ा हुआ है। सामने एक शहर और कुछ झुग्गी झोपड़ियां नजर आ रही हैं। 26 मार्च 2026 को रिलीज होगी फिल्म 'द पैराडाइज' 26 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। फिल्म को हिंदी समेत कुल आठ भाषाओं तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम, बांग्ला, इंग्लिश और स्पेनिश में रिलीज किया जाएगा।

'हिट 3' में नजर आए थे नानी

एक्टर नानी की बात करें तो वो इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'हिट 3' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ श्रीनिधि शेट्टी प्रमुख भूमिका में नजर आई थीं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी और इसे दर्शकों व क्रिटिक्स दोनों ने सराहा था।

बिहार में फिल्म शूट करना चाहती हैं मल्लिका शेरावत

एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत शुक्रवार को पहली बार बिहार की राजधानी पटना पहुंचीं, जहां उन्होंने कहा कि वह रवि किशन की फैन हैं और मौका मिलने पर बिहार में फिल्म बनाएंगी। मल्लिका शेरावत ने बताया, मैं पहली बार बिहार आई हूं और यहां पर मुझे हर जगह एक्सप्लोर करना है। राज्य में हुए विकास को लेकर एक्ट्रेस ने कहा, बिहार काफी डेवलप हो चुका है। मैं एयरपोर्ट देखकर बहुत ही खुश और हैरान हूं कि इतना अच्छा एयरपोर्ट बना है। सड़कें और यहां के विकास को देखकर खुश हूं। कई शानदार फिल्मों में काम कर चुकीं मल्लिका ने बताया कि वह अभिनेता रवि किशन की प्रशंसक हैं और उनके साथ काम भी करना चाहती हैं। उन्होंने बताया, मुझे बिहार और यहां के कलाकार काफी पसंद हैं। मैं रवि किशन की फैन हूं और मौका मिला तो जरूर फिल्म बनाना चाहूंगी। मल्लिका हरियाणा के रोहतक से हैं। उनका असली नाम रीमा लांबा है। एक्ट्रेस के पिता चाहते थे कि वह आईएएस ऑफिसर बनें, लेकिन उन्होंने एक्टिंग को अपना करियर बनाया। मल्लिका शेरावत कई शानदार फिल्मों में काम कर चुकी हैं, जिनमें मर्डर, ख्वाहिशें, बचकर रहना रे बाबा, डर्टी पॉलिटिक्स, वेलकम, प्यार के साइड इफेक्ट्स, डबल धमाल, जीनत जैसी फिल्में शामिल हैं। वह कई हॉलीवुड फिल्म द मिथ, पॉलिटिक्स ऑफ लव और टाइम रेडर्स में भी काम कर चुकी हैं। हाल ही में मल्लिका शेरावत, राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी के साथ विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में नजर आई थीं। इस फिल्म के जरिए मल्लिका ने लंबे समय के बाद कमबैक किया था।

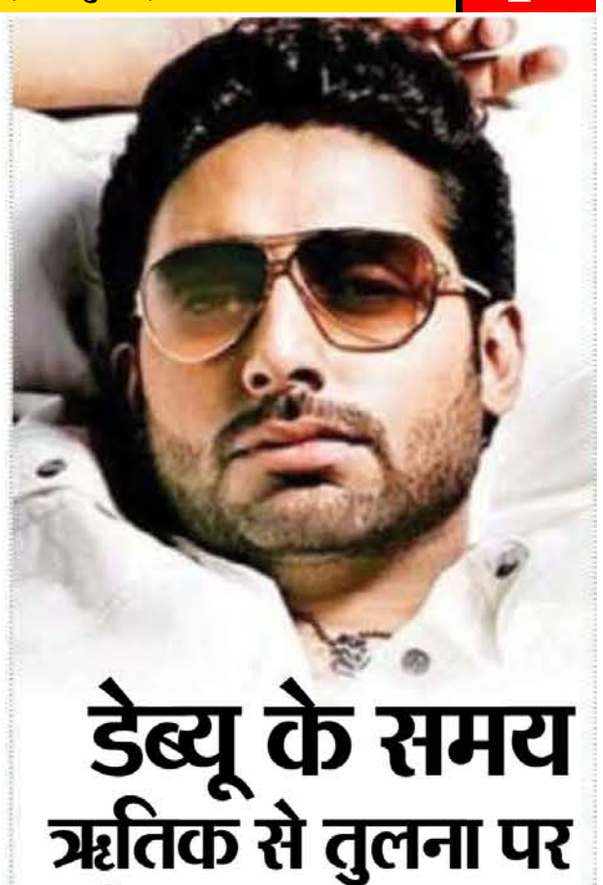

डेब्यू के समय ऋतिक से तुलना पर अभिषेक बच्चन बोले

अभिषेक बच्चन और ऋतिक रोशन ने फिल्म इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत एक साथ ही साल 2000 में की थी। ऋतिक की फिल्म कहो ना प्यार है ब्लॉकबस्टर हुई, वहीं अभिषेक और करीना की फिल्म रिफ्यूजी फ्लॉप हो गई। अब इंटरव्यू में अभिषेक ने ऋतिक संग तुलना पर बात की। बातचीत में अभिषेक बच्चन से पूछा गया कि क्या ऋतिक रोशन के साथ एक ही समय पर डेब्यू करने पर उन्हें कभी उनसे जलन महसूस हुई। इसके जवाब में अभिषेक ने कहा, हां हमारी तुलना होती थी। लेकिन एक नए कलाकार के तौर पर मुझे कभी भी जलन महसूस नहीं हुई। मैंने कभी इसे उस नजरिए से नहीं देखा, क्योंकि मैंने कभी किसी को अपना मुकाबला नहीं समझा। और मैं ये घमंड से नहीं कह रहा, बल्कि इस सोच से कह रहा हूं कि मैं जो करता हूं, वो कोई और नहीं कर सकता और जो आप करते हैं, वो मैं नहीं कर सकता, क्योंकि मैं जैसा हूं, वैसा कोई और नहीं हो सकता। कलाकारों की तुलना करना मुझे ठीक नहीं लगता, क्योंकि यह कला के खिलाफ है। अब किसे पसंद करना है, वो आपकी अपनी पसंद है। अभिषेक ने आगे कहा, मैं इसका एक उदाहरण कला से देता हूं। मेरे दो पसंदीदा पेंटर सुभाष आवचट और परेश मैती हैं। मैं दोनों को बहुत पसंद करता हूं, लेकिन यह कहना मुश्किल है कि इनमें से कौन बेहतर है, क्योंकि कला सबके अपने नजरिए की बात होती है। किसी को एक कलाकार ज्यादा पसंद आ सकता है, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि वह दूसरे से बेहतर है। ऐसा कहना उनके अलग-अलग काम और शैली का अनादर होगा। अभिषेक का मानना है कि यही बात एक्टर्स पर भी लागू होती है। ऋतिक रोशन के साथ अमीषा पटेल ने भी डेब्यू किया था। अभिषेक ने ऋतिक की तारीफ करते हुए कहा, 'ऋतिक एक शानदार एक्टर हैं और मेरे अच्छे दोस्त भी। मैं सच में बहुत खुश हूं कि उन्होंने अब तक जितना कुछ हासिल किया है और जो आगे भी कर रहे हैं, वो काबिल-ए-तारीफ है। लेकिन उससे भी ज्यादा, मैं उन्हें इंसान के तौर पर पसंद करता हूं।'

हुमा ने दो दिन में शूट किया 'मालिक' का गाना, एक पैसा भी नहीं लिया

राजकुमार राव की बहुप्रतीक्षित फिल्म मालिक में हुमा कुरैशी दिल थाम के गाने में नजर आईं हैं। यह गाना अभी कुछ दिनों पहले ही रिलीज हुआ था, जिसमें एक्ट्रेस के डांस मूव्स और लुक्स को दर्शकों द्वारा खूब पसंद किया गया। अब हुमा कुरैशी ने इस सॉन्ग को लेकर कुछ खुलासे किए हैं। आइए जानते हैं अभिनेत्री ने क्या कहा।

गाने के लिए नहीं ली एक भी फीस

हुमा कुरैशी हाल ही में एक इंटरव्यू में शामिल हुई, जहां उन्होंने बताया कि दिल थाम के सॉन्ग को जब डायरेक्टर ने सुनाया तो उन्हें पंसद आ गया। इसके बाद उन्होंने कहा कि फिल्म में शूटिंग करना दोस्तों के साथ काम करने जैसा लगा, इसलिए उन्होंने गाने के लिए हां कह दिया। आगे एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने इस गाने के लिए एक भी पैसा नहीं लिया। हुमा ने कहा, 'दोस्तों से कैसे पैसे ले सकते हैं? यह सिर्फ दो दिनों की शूटिंग थी, इसलिए मुझे लगा कि पैसे लेना वास्तव में जरूरी नहीं है।'

16 घंटे करने पड़ा काम

आगे बातचीत में अभिनेत्री ने कहा, 'मैं यह कहकर चले जाने में विश्वास नहीं करती कि मेरी शिफ्ट खत्म हो गई है। मेरी कंडीशनिंग ऐसी है कि अगर मैं काम पर हूं, तो मैं अपना काम खत्म करूंगी और फिर चली जाऊंगी। तो हां, एक दिन यह 16 घंटे तक चला, लेकिन इसकी योजना नहीं थी।'

हुमा कुरैशी का वर्कफ्रंट

फिल्म 'मालिक' के आइटम सॉन्ग के अलावा हुमा कुरैशी कई और प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगी। वह फिल्म 'जॉली एलएलबी 3', 'टॉक्सिक', 'पूजा मेरी जान' और 'गुलाबी' जैसी फिल्मों का हिस्सा हैं। कुछ फिल्में इस साल तो कुछ अगले साल रिलीज होंगी। इसके साथ ही आपको बताते चलें कि वह महारानी 4 में नजर आने वाली हैं।

रवि किशन ने बताया कौन है उनका पसंदीदा अभिनेता

अभिनेता रवि किशन इंडस्ट्री का एक जाना-पहचाना नाम हैं। रवि किशन की गिनती अब इंडस्ट्री के सीनियर एक्टर्स में होती है। उनके डायलॉग और उनकी स्टाइल लोगों को काफी पसंद आती है। लेकिन रवि किशन का पसंदीदा अभिनेता कौन है? इसको लेकर उन्होंने जवाब दिया। रवि किशन ने बताया कि उनके जीवन में कई अभिनेताओं ने अपना अलग-अलग प्रभाव छोड़ा है। एक्टर ने कहा कि मुझे बलराज साहनी ने काफी प्रभावित किया है। उनका अभिनय कमाल का है। इसके अलावा रवि किशन ने दिलीप कुमार, अमिताभ बच्चन, नसीरुद्दीन शाह, शाहरुख खान और इरफान खान जैसे अभिनेताओं का भी जिक्र किया। एक्टर ने कहा कि ये अभिनेता भी मुझे काफी पसंद हैं। इन सभी कलाकारों से कुछ न कुछ सीखने को मिला है। रवि किशन का कहना है कि हर किरदार से कुछ न कुछ सीखने को मिलता रहता है।

दिलजीत दोसांझ के सपोर्ट में उतरे इम्तियाज अली

फिल्म सरदार जी 3 में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर की कास्टिंग को लेकर दिलजीत दोसांझ विवादों में हैं। फिल्म संगठन लगातार उन्हें बॉर्डर 2 से हटाने की मांग कर रहे हैं। इस पूरे विवाद के बीच अब फिल्ममेकर इम्तियाज अली दिलजीत के समर्थन में सामने आए हैं। उन्होंने कहा दिलजीत में देशभक्ति का जज्बा पूरी तरह से भरा हुआ है। बातचीत में इम्तियाज अली ने कहा, 'मैं इस विवाद पर ज्यादा कुछ नहीं कह सकता। लेकिन क्योंकि मैं दिलजीत को जानता हूं और मैं यकीन से कह सकता हूं कि उसमें देशभक्ति का जज्बा पूरी तरह से भरा हुआ है। वह जमीन से जुड़ा हुआ इंसान है। आप उसके हर कॉन्सर्ट में देख सकते हैं। वह हमेशा भारतीय झंडे के साथ मंच पर आता है।' इम्तियाज ने आगे कहा कि दिलजीत एक सच्चे इंसान हैं और किसी भी तरह की दिखावेबाजी या बनावटीपन से दूर रहते हैं। वे कोई भी काम किसी के कहने पर नहीं, बल्कि अपने दिल की आवाज़ सुनकर करते हैं। हर कॉन्सर्ट के अंत में वे गर्व से अपने पंजाबी होने का जिक्र करते हैं और भारतीय झंडा थामे देश के प्रति अपने सच्चे प्रेम को व्यक्त करते हैं। 'सरदार जी 3' में हानिया आमिर की कास्टिंग को लेकर उठे विवाद पर बात करते हुए इम्तियाज ने कहा कि कलाकार खुद कास्टिंग के फैसलों के लिए जिम्मेदार नहीं होते। उन्होंने कहा कि जो लोग दिलजीत की सच्चाई को समझते हैं, वे उनकी असली देशभक्ति को जरूर महसूस करेंगे।

कृष्णा श्रॉफ से लेकर करण कुंद्रा तक, रियलिटी टीवी आइकॉन जिनकी वापसी की उम्मीद

कृष्णा श्रॉफ, निया शर्मा, रित्विक धनजानी और भी कई सितारे जिन्होंने रियलिटी टीवी पर छोड़ी गहरी छाप, और वे वापसी के बिल्कुल हकदार हैं। कभी फियरलेस तो कभी फैन-फेवरेट- कृष्णा श्रॉफ, तेजस्वी प्रकाश, एली गोनी, ऋत्विक धनजानी, करण कुंद्रा और निया शर्मा ने रियलिटी टीवी पर राज किया और अब उनकी वापसी बनती है।

रियलिटी टीवी ने हमें कुछ ऐसे चेहरे दिए हैं जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता। इन सितारों ने हर एपिसोड में जोश, जज्बा, जीतने की चाह और जबरदस्त एनर्जी भरी जो अब तक दर्शकों के दिलों में बसी है। चाहे कृष्णा श्रॉफ हो या निया शर्मा, तेजस्वी प्रकाश, करण कुंद्रा, अली गोनी या फिर ऋत्विक धनजानी — जब भी ये सितारे किसी रियलिटी शो का हिस्सा बने, मीडिया और दर्शक दोनों ही उनके स्टाइल, स्ट्रैटेजी और स्क्रीन प्रेजेंस के दीवाने हो गए। और बार-बार, नेटिज़ेंस चाहते हैं कि ये नाम नए रियलिटी शो के स्क्रीन पर वापस आएं और अधिक रियलिटी कंटेंट में भाग लें।

कृष्णा श्रॉफ: उन्होंने खतरों के खिलाड़ी में अपने निडर एटीट्यूड और फिटनेस फर्स्ट पर्सनैलिटी से ज़बरदस्त और प्रभावशाली छाप छोड़ी। और प्रशंसक अब स्क्रीन पर उनकी वही डैयरिंग और एनर्जेटिक मौजूदगी देखना चाहते हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि चाहे वो एक धमाकेदार एंट्री हो या वाइल्ड कार्ड के ज़रिए वापसी करें।

निया शर्मा: बोल्ड, बेबाक और हमेशा देखने लायक निया शर्मा ने खतरों के खिलाड़ी और झलक दिखला जा जैसे शोज़ में खुद का एक अलग मुकाम बनाया। उनका नो-फिल्टर एप्रोच आज भी फैंस को आकर्षित करता है, और उनकी वापसी की मांग लगातार बढ़ रही है।

तेजस्वी प्रकाश: उनकी दिल जीत लेने वाली और रिलेटेबल पर्सनैलिटी ने खतरों के खिलाड़ी और बिग बॉस में उन्हें एक ब्रेकआउट स्टार बना दिया। फैंस ने तुरंत उनके नैचुरल चार्म से कनेक्ट कर लिया। तेजस्वी की रियलिटी टीवी पर वापसी कुछ ऐसी है जिसके लिए उनके बड़े प्रशंसक ऑनलाइन अभियान चला रहे हैं, खासकर बिग बॉस की ट्रॉफी जीतने के बाद।

करण कुंद्रा: शांत लेकिन प्रभावशाली करण कुंद्रा ने बिग बॉस में अपनी पंजाबी एनर्जी और संतुलित व्यक्तित्व से दर्शकों का दिल जीत लिया। फैंस को अब उनकी एक सोलो वापसी, या यहां तक कि एक नए अवतार में, कुछ ऐसा है जिसे प्रशंसक उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि उनका मानना है कि केके ने अभी तक अपनी पूरी रियलिटी टीवी क्षमता नहीं दिखाई है।

एली गोनी: उनकी भावनात्मक रूप से खुले और मज़ाकिया अंदाज़ के साथ अली गोनी बिग बॉस में छा गए थे। चाहे राहुल वैद्य और जैस्मिन भसीन के साथ उनकी बॉन्डिंग हो या उनकी ईमानदारी फैंस आज भी उनके उन पलों को याद करते हैं। उनकी वापसी की मांग आज भी उतनी ही ताज़ा है।

ऋत्विक धनजानी: बेजोड़ करिश्मा और बहुमुखी प्रतिभा के साथ ऋत्विक ने झलक दिखला जा से लेकर खतरों के खिलाड़ी तक हर फॉर्मेट में जान डाल दी। उनके चार्म, गुड लुक्स और चुटीले अंदाज़ को लेकर फैंस हमेशा उत्साहित रहे हैं। हर शो में उन्होंने 100% दिया है, और दर्शकों की राय में उनके बिना रियलिटी शो अधूरा लगता है।

प्राधिकरण ने सोरखा में मुक्त कराई 15 करोड़ की जमीन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में सोरखा गांव में प्राधिकरण ने 15 करोड़ रुपये मूल्य की जमीन पर

अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाया। यह पशुचर की जमीन थी। वर्क सर्किल-6 की टीम ने जेसीबी की मदद से यहां अभियान चलाया। अवैध निर्माण को ध्वस्त किया। इस जमीन की कीमत करीब 15 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। अवैध निर्माण कर्ताओं को चेतावनी दी गई कि दोबारा ऐसा नहीं होना चाहिए। तार से फेंसिंग कराई जा रही है।

प्राधिकरण ने बताया कि सोरखा गांव में खसरा नंबर 373 पशुचर की जमीन है। साथ ही प्राधिकरण की अधिसूचित जमीन है। निगरानी का काम प्राधिकरण का है। यहां कमरा और प्लाट के चारो ओर बाउंड्री और गेट बना दिया गया था। प्लाट का एरिया करीब 4 हजार वर्गमीटर है। इस जमीन को कब्जा मुक्त कराने के लिए सर्किल-6 की अगुवाई में एक टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। टीम ने प्लाट पर बने पक्के निर्माण को जेसीबी की मदद से ध्वस्त किया। इस दौरान वहां कुछ लोग पहुंचे। पुलिस बल ने उनको शांत कराया और दस्तावेज दिखाए।

करीब आधे घंटे में अवैध निर्माण ध्वस्त किया गया। जिसके बाद टीम वापस आ गई। प्लाट के चारो ओर पिलर लगाकर फेंसिंग कराई जा रही है। सीईओ लोकेश एम के स्पष्ट निर्देश है कि किसी प्रकार का अवैध निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बता दे नोएडा प्राधिकरण की ओर से अब करीब 150 इमारतों पर ये इमारत अवैध है लिखवाया जा चुका है। इसमें कई रिहाएशी इमारत और कमर्शियल इमारत शामिल है। जिनको ध्वस्त किया जाएगा। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया नोएडा में किसी भी तरह का अवैध निर्माण नहीं होने दिया जाएगा।

मानवता व समाज के रक्षक हैं चिकित्सक: डॉ. महेश शर्मा

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद व पूर्व केन्द्रीय मंत्री ''नेशनल डॉक्टर्स डे'' के उपलक्ष्य में आईएमए भवन सेक्टर-31, नोएडा में सांसद समाज के विभिन्न वर्गों एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

डॉ. महेश शर्मा ने कहा है कि चिकित्सा मानवता व समाज के रक्षक हैं। चिकित्सक रोगी के प्रति समर्पित भाव से काम करते हैं, लेकिन जब इलाज में कोई कमी रह जाती है तो उसके परिजन डाक्टर पर गुस्सा करते हैं जो चिकित्सकों के प्रति अपमान है।

एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डा. महेश शर्मा एवं नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डा. लोकेश एम के द्वारा आईएमए हाउस में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें नोएडा के विभिन्न विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ-साथ

सांसद डॉ. महेश शर्मा ने अपने संबोधन के दौरान समाज में डॉक्टरों की भूमिका और उनकी सेवाओं को रेखांकित करते हुए कहा कि डॉक्टर समाज के लिए संजीवनी का कार्य करते हैं, डॉक्टर ही जीवन काल के अंत तक समाज के प्रति सेवाओं को समर्पित करते-रहते है। महेश शर्मा ने नोएडा के विकास में शहर की सामाजिक संस्थाओं के योगदान की भी प्रशंसा की और कहा कि नोएडा को आज शिखर पर पहुंचाने में सामाजिक संगठनों का महत्वपूर्ण योगदान है।

प्राधिकरण के सीईओ डा.लोकेश एम ने अपने संबोधन में कहा कि डॉक्टर होने के नाते यह आश्वस्त किया कि स्वास्थ्य संबंधित सारी सेवाओं के लिए प्राधिकरण कर्तव्यवध है। उन्होंने चांद पर पहला कदम रखने वाले नील आर्मस्ट्रोंग का उदाहरण देते हुए कहा कि आईएमए जैसी सामाजिक संस्थाऐं समाज के लिए एक बहुत बड़ी प्रेरणा स्रोत का काम करती है और समाज के हर वर्ग को एकजुट रखकर सामाजिक सेवाओं का निवारण करते है। उन्होंनें अपने संबोधन में वर्षों से लंबित डॉक्टर प्रोटेक्शन एक्ट की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आईएमए अध्यक्ष, डा. सुनील अवाना, आईएमए कोषाध्यक्ष, डा. डिम्पल, आईएमए सचिव, डा. जी.पी गुप्ता, डा. वी.पी सिंह, डा वी.एस चौहान, डा वी.एस चौधरी, डा. एपी जैन, डा. पल्लवी, डा. कार्तिक शर्मा, डा. वी.के गुप्ता, डा. ए.के अग्रवाल, डा. एन.के शर्मा, एनईए अध्यक्ष, बिपिन मलहन, फोनरवा अध्यक्ष, योगेन्द्र शर्मा, त्रिलोक शर्मा, पी.एस जैन, विकास जैन, राधाकृष्ण गर्ग आदि क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

लोकमंच ने 6 अस्पतालों को बांटे ऑक्सीजन कंसट्रेंटर

नोएडा (चेतना मंच)। 'अंतरराष्ट्रीय डॉक्टर दिवस' के अवसर पर नोएडा की प्रमुख सामाजिक संस्था नोएडा लोक मंच (NGO) द्वारा नोएडा के छह प्रमुख चिकित्सा संस्थानों को ऑक्सीजन कंसट्रेंटर प्रदान किए गए।

नोएडा लोक मंच द्वारा यह पहल उन चिकित्सकों और संस्थानों के प्रति एक प्रयास है जो नोएडावासियों को समर्पण और सेवा-भाव से स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध करा रहे हैं। इस कार्य का नेतृत्व नोएडा लोक मंच के महासचिव महेश सक्सेना ने किया। उनके साथ इस सेवा कार्य में श्रीमती लीका सक्सेना, विभा बंसल, राजेश श्रीवास्तव, प्रदीप वोहरा, कुशाग्र अवस्थी, राजेश्वरी त्यागराजन, इंद्रा चौधरी, मुकेश चंद शर्मा, लुबना, अलका चौहान, गौरव दुबे, राकेश कुमार और बिजेन्दर यादव ने भाग लिया।

नोएडा लोक मंच द्वारा कुमार्स क्लिनिक, सेक्टर-56, डॉ. एस. कुमार, डॉ. नरेंद्र क्लिनिक एंड हार्ट इंस्टिट्यूट, सेक्टर-22, डॉ. नरेंद्र कुमार शर्मा, मानस सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल, सेक्टर-34, डॉ. नमन शर्मा, कैलाश हॉस्पिटल, सेक्टर-27, डॉ. उमा शर्मा एवं डॉ. कार्तिक शर्मा, सत्या हॉस्पिटल, सेक्टर-34, डॉ. सुभाष गुप्ता एवं फेलिक्स हॉस्पिटल, सेक्टर-137, डॉ. डी.के. गुप्ता को ऑक्सीजन कंसट्रेंटर भेंट किया गया।

शारदा अस्पताल में मनाया गया राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेनो के नॉलेज पार्क स्थित शारदा अस्पताल और शारदा केयर, हेल्थसिटी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में मानव संसाधन प्रबंधन की तरफ से राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ रामामूर्ति शर्मा, डेंटल कॉलेज के डीन डॉ एम सिद्धार्थ और विभिन्न विभागों के प्रमुख डॉक्टरों ने न केवल अपने अनुभव साझा किए, बल्कि समाज को डॉक्टरों की भूमिका और उनके मानसिक स्वास्थ्य की ओर भी ध्यान देने की अपील की। शारदा केयर, हेल्थसिटी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के वाईस प्रेसिडेंट रिषभ गुप्ता ने कहा कि डॉक्टर देश के सैनिक हैं, जो सीमाओं पर नहीं लड़ते हैं, बल्कि अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की जान बचाने और जीवन प्रत्याशा को बेहतर बनाने के लिए समर्पित रूप से काम करते हैं।

शारदा ग्रुप वाईस चेयरमैन वाई.के. गुप्ता ने कहा कि हर दिन डॉक्टर दूसरों की भलाई के लिए काम करते हैं, लेकिन कई बार वे अपनी खुद की सेहत की अनदेखी कर बैठते हैं। डॉक्टरों की जिम्मेदारी सिर्फ इलाज तक सीमित नहीं होती, बल्कि वे मरीजों के मानसिक संबल का भी बड़ा स्रोत होते हैं। इस दिन को डॉक्टरों के त्याग, समर्पण और सभी के स्वास्थ्य को बनाए रखने के जुनून का सम्मान करने के लिए मनाते हैं।

उप्र विधान परिषद सभापति ने की समीक्षा बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विकास

प्राधिकरण, आवास विकास परिषद, जिला पंचायतों, नगर निगमों में अनियमितताओं पर अंकुश लगाने, जाँच किये जाने सम्बन्धी समिति के मा. सभापति बृजेश कुमार सिंह 'प्रिन्शू' की अध्यक्षता में आज गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय ग्रेटर नोएडा के सभागार में गौतम बुद्ध नगर और गाजियाबाद के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित हुई। इस अवसर पर मुख्य रूप से समिति के सदस्यगण डॉ जयपाल सिंह व्यस्त व गोविंद नारायण शुक्ला तथा विशेष सचिव/समिति अधिकारी संजय मेहरोत्रा, समिति अधिकारी अभिषेक कुमार पांडे, अपर निजी सचिव अंकुर यादव, वृत्त लेखक आशीष सिंह भी उपस्थित रहे। जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी द्वारा समिति के ने सभापति एवं सदस्य गणों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।

बैठक में समिति द्वारा संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली, विकास योजनाओं की प्रगति और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के विषय में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान जिला पंचायत से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा की गई। मा. सभापति ने राजस्व संग्रह बढ़ाने हेतु स्पष्ट कार्ययोजना की जानकारी ली। उन्होंने बजट एवं पंचम वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि के सापेक्ष व्यय की प्रगति, संसाधनों के विकास की कार्य योजना तथा भूमि की उपलब्धता की जानकारी भी प्राप्त की।

इस महत्वपूर्ण बैठक में जनपद गौतमबुद्धनगर के मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत प्रियंका चतुर्वेदी, जिला पंचायत राज अधिकारी वीरेंद्र सिंह, नगर पालिका एवं नगर पंचायत से अधिशासी अधिकारी तथा अन्य जिला स्तरीय अधिकारी एवं जनपद गाजियाबाद से जिलाधिकारी दीपक मीणा, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल तथा अन्य संबंधित आधिकारिक उपस्थित रहे।

फेलिक्स हॉस्पिटल में स्वास्थ्य योद्धाओं को किया सम्मानित

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-137 स्थित फेलिक्स हॉस्पिटल में डॉक्टर दिवस पर सम्मान

समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में हॉस्पिटल प्रशासन ने डॉक्टरों के अमूल्य योगदान को नमन करते हुए उन्हें हेल्थकेयर हीरोज की संज्ञा दी और उनके समर्पण, सेवा व कर्तव्यनिष्ठा के लिए सम्मानित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए फेलिक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. डी.के. गुप्ता ने कहा कि डॉक्टर न केवल रोगों का इलाज करते हैं, बल्कि हर घर में आशा की किरण होते हैं। उनका धैर्य, ज्ञान और करुणा समाज के हर वर्ग के लिए जीवनदायिनी शक्ति है। उन्होंने आगे कहा कि आज के दौर में जहां स्वास्थ्य सेवाएं निरंतर चुनौतियों का सामना कर रही हैं, वहां डॉक्टरों का योगदान अनमोल है और वह सच्चे अर्थों में हमारे समय के नायक हैं।

फेलिक्स हॉस्पिटल की मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. रश्मि गुप्ता ने भी उपस्थित डॉक्टरों को बधाई देते हुए उनके समर्पण को प्रेरणा का स्रोत बताया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर केवल एक पेशा नहीं, बल्कि सेवा और त्याग की पराकाष्ठा है। डॉक्टर-डे जैसे अवसर न केवल सम्मान का प्रतीक होते हैं, बल्कि यह याद दिलाते हैं कि हर जीवन के पीछे एक समर्पित चिकित्सक की मेहनत छुपी होती है। समारोह के अंत में सभी डॉक्टरों को स्मृति चिह्न भेंट किए गए।

आईआईए चेयरमैन को मंत्री ने दिलाई पद व निष्ठा की शपथ

नोएडा (चेतना मंच)। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) के नवगठित पदाधिकारियों की औपचारिक घोषणा मंगलवार को लखनऊ स्थित केंद्रीय कार्यालय में की गई। इस अवसर पर नोएडा के प्रतिष्ठित उद्यमी नवीन गुप्ता जी को वर्ष 2025-26 के लिए पुन: आईआईए नोएडा चैप्टर के चेयरमैन के रूप में नियुक्त किया गया। शपथ ग्रहण समारोह में उत्तर प्रदेश सरकार के वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अरुण कुमार सक्सेना ने नव-नियुक्त पदाधिकारियों को पद और निष्ठा की शपथ दिलाई। इस अवसर पर श्री सक्सेना ने एमएसएमई क्षेत्र के विकास एवं उत्थान के लिए आईआईए द्वारा किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की।

रोटरी क्लब ने स्मार्ट क्लास का किया शुभारंभ

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। रोटरी क्लब ग्रेटर नोएडा शाखा द्वारा जनपद गौतमबुद्धनगर के जेवर तहसील के गांव कानपुर में स्मार्ट क्लास का शुभारंभ किया गया। रोटरी क्लब द्वारा ग्रामीण बच्चों के विकास के लिए स्मार्ट क्लास में टीवी, कंप्यूटर, लैपटॉप, सेफ्टी सायरन उपलब्ध कराया गया।

अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पं. पीतांबर शर्मा ने फीता काटकर तथा मां सरस्वती के चित्र के सामने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब द्वारा स्मार्ट क्लास के लिए उपलब्ध कराए गए टीवी, कंप्यूटर, लैपटॉप आदि से ग्रामीण क्षेत्र के सैकड़ों बच्चे लाभान्वित होंगे। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को तराशने तथा उन्हें बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के लिए समाज के हर वर्ग को आगे आना चाहिए।

रोटरी क्लब ग्रेटर नोएडा के अध्यक्ष कपिल गौड़ ने कहा कि क्लब द्वारा समय-समय पर समाजहित के कार्य किए जाते हैं। क्लब समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को बखूबी समझता है और इसलिए उसके द्वारा समाजहित के कार्य किए जाते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि स्मार्ट क्लास का शुभारंभ होने से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे तकनीकी शिक्षा में पारंगत होंगे।

अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पं. पीतांबर शर्मा ने बलिया लोकसभा से समाजवादी पार्टी के सांसद सनातन पांडेय के जन्मदिन के अवसर पर उनके दिल्ली स्थित आवास पर पहुंचकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। पंडित पीतांबर शर्मा ने सांसद को शॉल और गुलदस्ता भेंटकर तथा मिठाई खिलाकर उनके दीर्घायु होने की कामना की। इस मौके पर राम कुमार शर्मा, अनिल शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

प्राधिकरण ने अवैध ई-रिक्शा चार्जिंग सेंटर पर की कार्रवाई

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर 5 स्थित हरौला में नोएडा प्राधिकरण की टीम ने अवैध रूप से चल रहे ई-रिक्शा पार्किंग तथा चार्जिंग स्टेशन के खिलाफ कार्रवाई की।

नोएडा प्राधिकरण के वर्क सर्कल एक के तहत जूनियर इंजीनियर तथा लेखपाल भारी संख्या में पुलिस बल के साथ इस भूखंड पर पहुंचे तथा यहां पर पाया कि अवैध रूप से टीन के शेड बनाकर ई रिक्शा पार्किंग स्टेशन तथा रिचार्जिंग स्टेशन बनाया गया था द्य प्राधिकरण की टीम ने यहां पर लगे ई चार्जिंग मशीन को हटाया

तथा चेतावनी दी कि यहां पर किसी भी तरीके व्यवसायिक प्रयोग नहीं किया जा सकता है।

बता दें कि खसरा संख्या 892 भूखंड जमीन का मामला नोएडा प्राधिकरण तथा हाई कोर्ट के बीच में चल रहा है तथा इस पर हाई कोर्ट ने स्टे आर्डर लगा रखा है। यहां पर अवैध निर्माण करके आई चार्जिंग स्टेशन तथा पार्किंग का निर्माण किया गया था जानकारी मिलने पर नोएडा प्राधिकरण की टीम मौके पर पहुंची तथा कार्रवाई की। लेखपाल मनोज सिंघल ने बताया कि वह भारी संख्या में पुलिस बल के साथ वहां पहुंचे तथा जूनियर इंजीनियर के साथ मिलकर वहां लगे चार्जिंग मशीन तथा अन्य उपकरण हटा दिए। इसके पूर्व भी प्राधिकरण की टीम ने इस भूखंड पर नोटिस करके अवैध निर्माण न करने की चेतावनी दे चुका है।